

राहुल-प्रियंका के नेतृत्व में विपक्ष का 'दिल्ली चलो' मार्च, चुनाव प्रक्रिया पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर

मंडी हाउस से पैदल मार्च में शामिल हुए अखिलेश यादव, भारी भीड़ के बीच धक्का-मुक्की

नई दिल्ली (आरएनएस)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सिंह काफ़ी कार्रवाई और मजबूत प्रक्रिया में सुधार की मांग को लागू करने के लिए लेखक सोमनाथ को कांसिप नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आह्वान पर विपक्षी दलों ने 'दिल्ली चलो' मार्च के लिए निकाला। बाराबंकी से उज्जैन-यात्रालय की ओर बढ़े इस मार्च के दौरान लुटियंस दिल्ली की सड़कों पर बड़ी हांड़ में लोग जुटे। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने मंडी हाउस के आगे छात्र नेते नेरा बोरा के साथ पैदल मार्च का नेतृत्व किया। समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव भी बाद में मार्च में शामिल हुए। विपक्षियों की ओर से उज्जैन-यात्रालय में यात्रिका दायर कर दी गई है। हालांकि, भारी भीड़ के कारण विपक्षी नेता अदालत तक नहीं आ सके। कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ अधिकांक अभिषेक मनु मुंडा पहुंची तथा उनके सहयोगी वकीलों ने यात्रिका दायर की। बताया गया कि अदालत बढ़ होने से पहले यात्रिका-यात्रालय की



वेबसाइट पर पंजीकृत हो गई।

राहुल गांधी सहित विपक्षी नेताओं ने सोमवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश से मुलाकात का अनुरोध किया था। हालांकि, मुख्य न्यायाधीश ने यह कहते हुए अनुरोध स्वीकार नहीं किया कि जिस मामले को लेकर विपक्ष उनसे मिलना चाहता है, वह पहले

मे ही न्यायालय में लौटित है। ऐसे में इस विषय पर अलग से न्यायालय का उचित नहीं होगा इसके बाद विपक्षी नेताओं ने उच्चतम न्यायालय तक मार्च करके न्यायालय दायर करने का निर्णय लिया। बाराखंभा से शुरू हुआ मार्च मंडी हाउस तक पहुँच, जहाँ राहुल गांधी और प्रियंका गांधी बस से उतकर पैदल आगे बढ़े। मार्च भीड़ के कारण रास्ते में धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। भारी मोर्चा आगे चलकर अखिलेश यादव भी शामिल हो गए। गृहचुम्बद न्यायालय में दायर याचिका में कुल 11 याचिकाकर्ताओं के नाम शामिल बताए गए हैं। इनमें राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद सोनार राय, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद खंडेराव मुक्ति, वामपंथी दलों के नेता बेबी और टी. राजा, सांसद संजय मुक्ति मोर्चा की नेता महंगा नाई, सुप्रिया सुले तथा इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के नेता मोहम्मद बशीर शामिल हैं।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मंडला के टाटरी में स्कूल के नहे विद्यार्थियों के साथ समूह चित्र।

**राहुल गांधी का दावा, कहा-
केंद्र सरकार के 200
अधिकारी हमारे संपर्क में हैं**

नई दिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि केंद्र सरकार के 200 अधिकारी विषपेक्ष संसद में हैं। दिल्ली में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और विदेश मंत्रालय में काम करने वाले अधिकारी उन्हें जानकारी दे रहे हैं। हालांकि, राहुल गांधी ने अपने दावे के समर्थन में अधिकारियों के नाम या अन्य विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की।

राहुल गांधी ने कहा, यह सुनकर आप चौंक जाएंगे... मोदी जी, मैं आपको बत रहा हूं। आपके 200 अधिकारी हमारे संपर्क में हैं।

भारतीय नौसेना में शामिल हुआ स्वदेशी युद्धपोत 'आईएनएस मंगरोल'

-उथले समुद्र में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने में पक्षम, 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल

मुंबई, (आरएनएस)। भारतीय नौसेना की समुद्री सुरक्षा क्षमता को बढ़ाने की दिशा में एक और कदम उठाया गया है। सोमवार को मुंबई में स्वदेशी पनडुब्बी रोधी युद्धपोत 'आर्एनएस मंगोरल' को नौसेना के बेड़े में शामिल किया गया। इस युद्धपोत को विशेष रूप से उथले समुद्री क्षेत्रों और तटीय इलाकों में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने तथा उसे निपटने के लिए तैयार किया गया है। इसके शामिल होने से देश के तटीय क्षेत्रों और पड़ोस में संदरगाहों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।



यार किया गया है। इसके शामिल होने से देश के तटीय क्षेत्रों और पहाड़ों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में निर्मित इस युद्धपोत में 80 प्रतिशत अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। यह भारत में ही आधुनिक युद्धपोतों के निर्माण और समुद्री रक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लक्ष्यों को हिस्सा है।

अमृतसर एयरपोर्ट के पास दिखते सड़िध ड्रोन, 3 उड़ानें डायवर्ट, कुछ देर रोकना पड़ा रनवे ऑपरेशन

अमृतसर, (आरएनएस)। पंजाब के अमृतसर स्थित श्री गुरु रामदास जी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गजसजी इलाके के पास देहान्त होने से संदिग्ध झेन गतिविधि सामने आई है। इसके चलते अमृतसर से आगामी तीन उड़ानों का मार्ग बदल दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा और आवश्यक जांच के बाद हवाई अड्डे का चालान सामान्य रूप दिखाने लगा। जानकारी के अनुसार, गुरुवार की रात 9:30 बजे एयरपोर्ट पर तीन भारतीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों की संस्थानिक ऊड़ान पर दो से तेज गति से मजान वस्तुओं को उड़ते देखा। ये वस्तुओं की गतिविधि संदिग्ध लगने पर जवानों ने तुरंत इसकी सूचना कंट्रोल रूम को दी।

भविष्य के युद्धों में चेतावनी का समय बहुत कम हो सकता है : राजनाथ सिंह



नई दिल्ली, (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर के रणनीतिक विश्लेषण से हमें यह संकेत मिला है कि भविष्य के युद्धों में चेतावनी मिलने का समय बहुत कम हो सकता है। बिना किसी पूर्व चेतावनी के उत्पन्न होने वाली परिस्थितियाँ और युद्ध में तकनीक का बढ़ता उपयोग हमारी तैयारियों की गंभीर परीक्षा ले सकते हैं। ऐसे युद्ध

हमारी रसद व्यवस्था और आपूर्ति तंत्र की क्षमता को भी परख सकते हैं। इसलिए लंबे समय तक सैन्य अभियान जारी रखने के लिए हमें अपनी रसद व्यवस्था को भी मजबूत बनाना होगा। इसके चलते सोमवार को भारता सेना में भारत राईस की शुरुआत की गई। इसके लिए भारतीया सेना और भारतीय खाद्य निगम के बीच समझौता हुआ। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत राईस की शुरुआत केवल चावल को जुड़ी पहल नहीं है। यह उस विश्वास का प्रतीक है, जो किसान के खेत से शुरू होकर सैनिक की भोजन तक थाली तक पहुंचता है। उन्होंने कहा कि यह उस सामूहिक संकल्प को दर्शाता है, जिसमें किसान का परिश्रम सैनिक की शक्ति बनता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि जब हम चैन की नींद सोते हैं, तब हमारे सैनिक य सुनिश्चित कर रहे होते हैं कि देश की सीमाओं से को खतरा हमारे घरों तक न पहुंचे। इसलिए सैनिकों को कृषि पर हमारे दिल कोई गौण विषय नहीं है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा का अग्रिम अंग है।

दिल्ली में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ
हो रहे प्रदर्शन कवर करने गए 12

पत्रकार हिरासत में
 है दिल्ली (आरएनएन)। मुख्य चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को हुए प्रदर्शन की रीपोर्टिंग करने पड़ने पर 12 पत्रकारों की दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इनमें प्रमुख समाचार पत्रों के संवाददाता, स्वतंत्र पत्रकार और डिजिटल समाचार मंचों से जुड़े कैमरापर्स शामिल थे। पत्रकारों ने आरोप लगाया कि के पहचान-पत्र दिखाने के बावजूद उनके साथ धक्का-मुक्की की गई और कुछ को चोटें भी पहुंचाई गईं। मॉडिया रिपोर्टर के अनुसार, हिरासत में लिए गए पत्रकारों में इंडियन एक्सप्रेस के हिंदी संस्करण के भी पत्रकार, द हिंदू का एक पत्रकार और विभिन्न डिजिटल समाचार मंचों के कैमरापर्स शामिल थे। पत्रकारों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे केवल प्रदर्शन की खबर जुगुनो में और घटनाक्रम को दर्ज करने के लिए मौके पर मौजूद थे।

दिल्ली में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति स्वतंत्र, अब तीन नए स्थल निर्धारित

-रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली के सीवीडी मैदान में होंगे विरोध-प्रदर्शन; नई मानक संचालन प्रक्रिया अलग से जारी होगी



मानक संचालन प्रक्रिया अलग से जारी की जाएगी।

गॉटिबस के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नागरिकों के विरोध-प्रदर्शन के अधिकार को ध्यान में रखते हुए मौजूदा निर्धारित स्थल के अतिरिक्त अन्य उपयुक्त स्थानों को पहचान करने के लिए एक समिति गठित की थी। समिति की सिफारिशों के आधार पर जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल के रूप में दी गई मान्यता समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। दिल्ली पुलिस ने जिन तीन नए स्थानों को प्रदर्शन के लिए निर्धारित किया है, उनमें रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली स्थित सीबोडी मैदान शामिल हैं। इन स्थानों पर प्रदर्शन आयोजित करने की प्रक्रिया और नियमों को लेकर नए मानक संचालन प्रक्रिया जारी होने के बाद विकल्प जानकारों स्पष्ट होगी। जंतर-मंतर पर इसी साल जुलाई में पेपर लोक के विरोध में काँक्रेचर जनता पार्टी (सीजेपी) ने प्रदर्शन किया था और संसद तक मार्च निकाला था। इस दौरान 20 जुलाई को छात्रों और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प भी हुई थी।

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन के लिए लंबे समय से इस्तेमाल किए जा रहे जंतर-मंतर को अब निर्धारित प्रदर्शन स्थल के रूप में मान्यता नहीं रहेगी। दिल्ली पुलिस ने विरोध-प्रदर्शन आयोजित करने के लिए तीन नए स्थान निर्धारित किए हैं। दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने इस संबंध में नोटिस जारी कर जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने की जानकारी दी है। साथ ही कहा गया है कि नए स्थानों पर प्रदर्शन आयोजित करने के लिए विस्तृत और संशोधित

प्रधानमंत्री मोदी ने नव
के दूसरे दिन मां ब्रह्मचा
की पूजा-अर्चना की

नई दिल्ली, (आएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शारदीय नवरात्रि के दिन मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना की। उन्होंने मां ब्रह्मचारिणी से सभी के जीवन में साहस, आत्मसंयम और संकल्प का आशीर्वाद बनाए रखने की प्रार्थना की।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को सामाजिक माध्यम मंच 'एक्स' पर संदेश साझा करते हुए कहा कि का दूधरा दिन तपस्या, त्याग और संकल्प की प्रतीक मां ब्रह्मचारिणी आराधना के लिए समर्पित है। उन्हें कामना की कि मां ब्रह्मचारिणी साहस और संयम का आशीर्वाद प्र करें। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ब्रह्मचारिणी तप, त्याग, साधना और आत्मसंयम की प्रतीक हैं। नवरात्रि दूसरे दिन भक्त उनको पूजा-अर्चना जीवन में धैर्य, दृढ़ इच्छाशक्ति और आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त करने की करते हैं।

यूपी कांग्रेस दफ्तर में बवाल, नवनियुक्त अध्यक्ष आराधना मिश्रा और अजय राय के समर्थक भिड़े; चले जूते-चप्पल



लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के माल एवेन्यू स्थित प्रदेश मुख्यालय में रविवार को नवनिर्गुत प्रदेश अध्यक्ष आस्था मन्ना मिश्रा 'मोना' के पदभारा ग्रहण समारोह के दौरान भारी हंगामा और भारपीट हो गई। पार्टी कार्यालय में उस चप अफरा-तफरी मच गई जब नवनिर्गुत प्रदेश अध्यक्ष की प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ही उनके और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के समर्थकों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। देखते ही देखते यह विवाद हिंसक झड़प में बदली हो गया और दोनों गुटों के बीच जमकर लाला-गल्ला और जूते-चप्पल चले।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में नारेबाजी को लेकर टकराव, कार्यालय
रने पर बैठे अजय राय

पञ्चतान्त्रकर्म के अनुसार, नवनिर्गुण प्रवेश अथ्यक्ष आराधना के बाद पाटी मुख्यालय में मीडिया के संबोधित कर रही थीं और समर्थक उन्हें बधाई देने पहुंच रहे थे। इसी दौरान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जय राय अपने कार्यालयकों में साथ दफ्तर पहुंचे। जय राय समर्थकों ने हॉल के भीतर अपने नेता के पक्ष में जोरदार नारे लगे और कहा, जिसका मोना के समर्थकों ने विरोध किया। इसी दौरान लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हुई जो थका-मुकी होकर रपीट तक पहुंच गई इस अप्रत्याशित घटनाक्रम से आहत होकर पूर्व अध्यक्ष जय राय पाटी कार्यालय में ही धरने पर बैठ गए। उन्होंने आराधना मिश्रा को समर्थक ममता चौधरी पर अपद्रवता दसलुकी करने का गंभीर आरोप लगाया। हंगामे के बाद अजय राय हॉल केर हॉल दफ्तर से बाहर निकल आए, हालांकि मौके पर जय राय गेम्स के वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी और इमरान मसूद ने बीच-बचाव करने के लिए आगे बढ़े। जय राय ने कहा, गठबंधन पर हमारा कार्यालय में हुए आरोपों संभाल और तानापूर्ण मालाल के कारण आराधना मिश्रा 'मोना' ने प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता इमरान मसूद का कार्यालय अथ्यक्ष के तौर पर विधिवत कार्यभार संभाल लिया। जय राय गृहण के दौरान बड़ी संख्या में वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी जुड़ रहे।

**भारत का वैश्विक शक्ति बनना दूसरो
पर प्रभुत्व नहीं, अपनी संप्रभुता की
रक्षा करना है : उपराष्ट्रपति**

नई दिल्ली, (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि एक अग्रणी वैश्विक शक्ति के रूप में उपरने की भारत की महत्वाकांक्षा दूसरे देशों पर, प्रबल स्थापित करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी देश भारत पर अपनी शर्तें न थोप सके। प्रत्येक संघभू राष्ट्र समान है, चाहे वह बड़ा हो या छोटा। सभी देशों को एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए तथा किसी भी देश को दूसरे देश की सीमाओं का अतिक्रमण नहीं करना चाहिए। उपराष्ट्रपति सोमवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एनडीसी) के 66वें पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 'भारत के मूल मूल्य, राष्ट्रीय हित और राष्ट्रीय उद्देश्य' विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा की समकालीन चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक सोच, एकीकृत नीति निर्माण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

अस्पताल के मोटे बिलों से मिलेगी राहत ? सरकार ने दिए उपचार शुल्क प्रदर्शित करने के आदेश

नई दिल्ली, (आरएनएस)। देश के निजी और
कांफॉरे अस्पतालों द्वारा भरीजों से वसूले जाने वाले
भारी-भरकम और मनमाने मेंडैडल बिलों पर केंद्र
सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। केंद्रीय स्वास्थ्य
मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को
एक आधिकारिक पत्र भेजकर, नर्सिंग होम और
आने वाले सभी अस्पतालों, अप्रिम होम और
क्लीनिकों में दी जाने वाली सेवाओं और सुविधाओं
के शुल्क को मुश्किल से प्रदर्शित करना अनिवार्य
रूप से सुनिश्चित करें। आइए इस पूरी खबर पर नजर
डालते हैं। अस्पतालों द्वारा नियमों की अनदेखी को
गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुन्य
सलिला श्रीवास्तव ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों
के मुख्य सचिवों को अहम पत्र भेजा है।

इसमें लिखा है, मैं आपसे अनुरोध करती हूँ कि दूषका संबंधित अधिकारियों को सलाह दें कि वे अपने को प्रदर्शित करने के लिए प्रभावशाली अनुपालन की समीक्षा करें और उनके प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए उचित उपाय करें। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि अस्पतालों को और से शुल्क स्थगित करने के प्रदर्शित करने से मरीजों और उनके परिचारकों को उपचार के संभावित वित्तीय पहलुओं को समझने, सोच-समझकर निर्णय लेने और अपने स्वास्थ्य देखभाल खर्चों को योजना बनाने में मदद मिलेगी।



फोर के बजाए दू लेन क्यों बना रहे ब्रिज, रेलवे को देना होगा कोर्ट में जवाब

इंदौर (ए.)। इंदौर के केसरबाग रेलवे क्राँसिंग पर करीब 40 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे दो लेन के ब्रिज की चौड़ाई को लेकर हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता डॉ. संजय कांबले का कहना है कि जिस सड़क पर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है, वह फोरलेन है। यह मार्ग शहर के बाहरी हिस्सों को जोड़ने वाली लिंक रोड भी है। ऐसे में भविष्य में इस मार्ग पर यातायात का दबाव बढ़ने की आशंका है। इसे देखते हुए ब्रिज का निर्माण कम से कम चार लेन में किया जाना चाहिए।याचिकाकर्ता के मुताबिक, किसी भी बड़ी परियोजना को योजना बनाते समय अगले 50 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए। दो लेन का ब्रिज बनने से भविष्य में यहां यातायात जाम की समस्या पैदा हो सकती है। इसके अलावा, निर्माण के कारण आसपास के रहवासियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। कांबले ने उदाहरण देते हुए बताया कि



बाणगंगा ब्रिज का निर्माण पहले दो लेन में किया गया था, लेकिन बाद में उसे फोरलेन करना पड़ा। ऐसे में केसरबाग ब्रिज के लिए भी शुरुआत से ही अतिरिक्त दो लेन का प्रावधान किया जाना चाहिए।

ब्रिज को चार लेन का बनाने की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए हैं। अब 16 अक्टूबर को होने वाली अगली सुनवाई में रेलवे को अपना जवाब प्रस्तुत करना होगा। रेलवे को यह स्पष्ट करना होगा कि सड़क की चौड़ाई और भविष्य में बढ़ने वाले यातायात को देखते हुए ब्रिज का निर्माण दो लेन में करने का निर्णय क्यों लिया गया।

केसरबाग रेलवे क्राँसिंग शहर की उन चुनिंदा क्राँसिंग में शामिल थी, जहां अब तक ब्रिज नहीं बना था।

शहर की अन्य रेलवे क्राँसिंग पर ब्रिज बन चुके हैं। इस क्राँसिंग का गेट दिनभर में 20 से अधिक बार बंद होता था, जिससे वाहन चालकों को परेशानी होती थी। करीब दो महीने पहले यहां रेलवे क्राँसिंग बंद कर ब्रिज का निर्माण शुरू किया गया है। निर्माण कार्य को 15 महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

आदि सेवा केन्द्रों का सतत् रूप से संचालन किया जायें : कलेक्टर

श्यापुर (ए.)। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक को संबोधित करते हुए निर्देश दिये कि ज़िले में आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत स्थापित सभी 28६ आदि सेवा केन्द्रों का संचालन सतत् रूप से सुनिश्चित किया जायें। उन्होंने कहा कि आदि सेवा केन्द्रों के माध्यम से जनजाति बाहुल्य बस्तियों में स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं की पूर्णता को सुगम बनाया जायें तथा प्रत्येक मंगलवार को निर्धारित समय में प्रातः 11 बजे से 01 बजे तक आदि सेवा केन्द्र संचालित किये जायें। इस दौरान प्राप्त आवेदनों को पंजीकृत करने तथा संबंधित विभागों को भेजकर समन्वय कर उन आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित किया जाये। इसके साथ ही उन्होंने पीएम जनमन योजना अंतर्गत संचालित बहुउद्देशीय केन्द्रों (मल्टीपरपज सेंटर) पर स्वास्थ्य-पोषण संगम आयोजित करने के निर्देश भी दिये।

अश्लील वीडियो बनाकर बुजुर्गों को करते थे ब्लैकमेल, हनी ट्रैप गैंग का पर्दाफाश, महिला समेत 2 गिरफ्तार

भिण्ड (ए.)। मध्य प्रदेश के भिण्ड जिले की देहात थाना पुलिस ने हनी ट्रैप के जरिए लोगों को ब्लैकमेल कर लाखों रुपये की वसूली करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक महिला सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरोह अश्लील वीडियो बनाकर बुजुर्गों को झूठे दुष्कर्म और एससी-एसटी एक्ट के मामलों में फंसाने की धमकी देकर मोटी रकम वसूलता था। गिरोह के दो अन्य सदस्य फरार हैं, जो पूर्व में भी हनी ट्रैप के मामलों में गिरफ्तार हो चुके हैं। इसके पहले ग्वालियर में सोशल मीडिया के जरिए महिलाओं को अपने जाल में फंसाने वाले युवक को इसी मामले में पुलिस ने गिरफ्तार किया।पुलिस के अनुसार 10 अक्टूबर 2026 को एक फरियादी ने थाना देहात पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई कि करीब 14-15 दिन पहले उसके पास एक



ग्वालियर(ए.)। ग्वालियर के बहोड़ापुर क्षेत्र में 21 वर्षीय महिला ने अपने पूर्व पति पर तलाक के बाद दुष्कर्म करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। दोनों तलाक के बावजूद एक ही मकान में अलग-अलग कमरों में रह रहे थे। शिकायत के बाद महिला थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।शहर के बहोड़ापुर क्षेत्र में 21 वर्षीय महिला के साथ उसके पूर्व पति द्वारा तलाक के बाद दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि कानूनी रूप से अलग होने के बावजूद आरोपी जबरन उसके कमरे में दाखिल हुआ और उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपी ने महिला को जान से मारने

उज्जैन में रिएक्टिव पावर कंपनसेशन क्षमता मजबूत, वोल्टेज प्रोफाइल में हुआ सुधार

उज्जैन, (ए.)। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने उज्जैन जिले के एकस्ट्रा हाई टेंशन (ईएचवी) सबस्टेशनों में रिएक्टिव पावर कंपनसेशन क्षमता को मजबूत किया है। इन कैपेसिटर बैंकों के माध्यम से वोल्टेज प्रोफाइल बेहतर बनाए रखने तथा उपभोक्ताओं को अधिक स्थिर, गुणवत्तापूर्ण और मानक वोल्टेज पर विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है। उज्जैन जिले के 16 एकस्ट्रा हाई टेंशन सबस्टेशनों में स्थापित 36 कैपेसिटर बैंकों की कुल क्षमता 459 एमवीएआर है। इनसे सबस्टेशनों पर आवश्यक रिएक्टिव पावर सपोर्ट उपलब्ध हो रहा है। इससे वोल्टेज स्थिरता बनाए रखने के साथ ही विद्युत प्रणाली की कार्यक्षमता बेहतर रखने में मदद मिल रही है।

केन्द्रीय जेल उज्जैन में बंदियों ने किया अपने पितरों का श्राद्ध-तर्पण

केन्द्रीय जेल उज्जैन में गायत्री शक्तिपीठ उज्जैन द्वारा आत्म परिष्कार शिविर के षष्ठम चरण के समापन अवसर पर बंदियों द्वारा अपने पितरों का श्राद्ध-तर्पण किया गया

उज्जैन, (ए.)। केन्द्रीय जेल अधीक्षक मनोज कुमार साहू द्वारा बताया गया कि जेल मुख्यालय मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में केन्द्रीय जेल उज्जैन में बंदियों हेतु आध्यात्मिक प्रशिक्षण कार्यक्रम वार्षिक कैलेंडर वर्ष 2026-27 के अनुसार षष्ठम चरण में 01 से 10 अक्टूबर तक दस दिवसीय अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार की शाखा उज्जैन द्वारा आत्म/व्यक्तित्व परिष्कार शिविर का आयोजन किया गया।

गायत्री शक्तिपीठ उज्जैन से उपस्थित रामप्रसाद सरिया, विनय गुप्ता, मनोहर बिलावल, प्रभाकर सोनेनो, संजीव पांचाल, सुशील कुमार शर्मा, नंदकिशोर पाटीदार, देवीसिंह शंकर तिवारी, जयप्रकाश सरिया, सुभाष पाटीदार एवं द्विविजयसिंह चौहान द्वारा 55 पुरुष बंदियों को वेद, ज्ञान, यज्ञ, मंत्रोच्चारण, योग, ध्यान एवं



कर्मकांड का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही पितृ मोक्ष अमावस्या के अवसर पर जेल में परिरुद्ध/निरुद्ध बंदियों को अपने पूर्वजों का तर्पण एवं पिंडदान विधि संपन्न करवाई गई। उक्त तर्पण कार्यक्रम में लगभग 120 बंदियों द्वारा अपने पूर्वजों का तर्पण एवं पिंडदान किया गया। है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन दर्शाता है कि सामूहिक सहभागिता से बड़े उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है।

त्यापार समाचार

दिल्ली ईवी नीति 2026 को मिला जोरदार रिसॉन्स- 3 महीने में 7,700 से अधिक आवेदन; 7.91 करोड़ रुपए की ससिडी वितरित

नई दिल्ली (आरएनएस),। दिल्ली सरकार की ईवी पॉलिसी 2026 को लॉन्च के बाद से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। 1 जुलाई 2026 से लागू इस नीति के तहत 8 अक्टूबर तक 7,782 प्रोत्साहन (इंसेंटिव) आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि 2,731 लाभार्थियों को 7.91 करोड़ रुपए की सस्मिडी वितरित की जा चुकी है। यह आंकड़े दिखाते हैं कि राजधानी में इलेक्ट्रिक वाहनों की स्वीकार्यता लगातार बढ़ रही है। रविवार को एक बयान में यह जानकारी सामने आई है।

सरकार का कहना है कि यह नीति वायु प्रदूषण कम करने, स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने और दिल्ली को हरित एवं टिकाऊ शहर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बयान के अनुसार, दिल्ली ईवी नीति के तहत प्राप्त कुल आवेदनों में सबसे बड़ी हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की रही है, जिसमें अब तक 7,706 आवेदन इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स से जुड़े मिले।

आंकड़ों के अनुसार, 2,707 लाभार्थियों को 7.61 करोड़ रुपए की खरीद प्रोत्साहन राशि वितरित की गई है। इसके अलावा, पुराने वाहनों को स्कैप कर नए ईवी खरीदने वालों को 29.50 लाख रुपए की स्कैपिंग इंसेंटिव राशि दी गई है, जिसका लाभ 79 लोगों ने लिया।

नीति के तहत विभिन्न श्रेणियों के इलेक्ट्रिक वाहनों पर सस्मिडी दी जा रही है। पहले वर्ष में 2.25 लाख रुपए तक की एक्स-शोरूम कीमत वाले इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर बेटीरी क्षमता के आधार पर अधिकतम 30,000 रुपए तक की सस्मिडी उपलब्ध है।

इसी तरह इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर, माल ढुलाई वाले इलेक्ट्रिक वाहनों और अन्य श्रेणियों के लिए भी अलग-अलग प्रोत्साहन राशि निर्धारित की गई है। सरकार का लक्ष्य शुरुआती वर्षों में अधिक से अधिक लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर आकर्षित करना है।

दिल्ली ईवी नीति के तहत पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को हटाने के लिए स्कैपिंग इंसेंटिव की भी व्यवस्था की गई है।

यदि कोई व्यक्ति अधिकृत स्कैपिंग सुविधा में पुराना दिल्ली-पंजीकृत वाहन जमा कर छह महीने के भीतर नया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदता है, तो उसे अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि मिलेगी।

उदाहरण के तौर पर, पुराने बीएस-डब्ल्यू या उससे नीचे के दोपहिया वाहन को स्कैप कर नया इलेक्ट्रिक दोपहिया खरीदने पर 10,000 रुपए। वहीं, पुराने कार को स्कैप कर 30 लाख रुपए तक की कीमत वाली नई इलेक्ट्रिक कार खरीदने पर 1 लाख रुपए तक का प्रोत्साहन, जबकि पुराने माल वाहक वाहन को स्कैप कर इलेक्ट्रिक गुड्स वाहन खरीदने पर 50,000 रुपए तक की सहायता प्रदान की जाएगी।

बयान में कहा गया है कि नीति की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक योग्य इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन शुल्क में 100 प्रतिशत छूट है।

30 लाख रुपए तक की एक्स-शोरूम कीमत वाली इलेक्ट्रिक कारों को 31 मार्च 2030 तक इस लाभ का फायदा मिलेगा, जिससे इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने की कुल लागत में उल्लेखनीय कमी आती है।

इसके साथ ही, सरकार ने लॉजिस्टिक्स और माल ढुलाई क्षेत्र में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रावधान किया है। नीति के तहत दिल्ली में खरीदे और पंजीकृत होने वाले पहले 1,000 एन2 श्रेणी के निजी इलेक्ट्रिक ट्रकों को नो-एंट्री समय प्रतिबंध से 10 वर्षों तक छूट दी जाएगी। इससे दिल्ली में इलेक्ट्रिक मालवाहक वाहनों के उपयोग को गति मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली सरकार का कहना है कि इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देने से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी, प्रदूषण घटेगा और स्वच्छ परिवहन व्यवस्था विकसित होगी। लगातार बढ़ते आवेदन इस बात का संकेत हैं कि लोग इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अपनाने के लिए तैयार हैं।

फेस्टिव सीजन की धमाकेदार शुरुआत, पहले दो दिनों में ई-कॉमर्स बिक्री 24,000 करोड़ रुपए के पार : रिपोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस),। भारत में त्योहारी खरीदारी सीजन की शुरुआत जोरदार रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश के प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने फेस्टिव सेल के पहले दो दिनों में करीब 24,000 करोड़ रुपए की बिक्री दर्ज की है। इस दौरान ग्राहकों ने स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, घरेलू उपकरणों और फैशन उत्पादों की जमकर खरीदारी की। रेडसीर स्ट्रेटजी कंसल्टेंट्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो और अजियो जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ने फेस्टिव सेल के शुरुआती दो दिनों में 2.5 अरब डॉलर (करीब 24,200 करोड़ रुपए) से अधिक का ग्राँस मर्चेडाइज वैल्यू (जीएमवी) दर्ज किया।

रिपोर्ट के अनुसार, देशभर के ग्राहकों ने इस दौरान 8 से 9 करोड़ ऑर्डर दिए, जबकि करीब 6 से 6.5 करोड़ उपभोक्ताओं ने इस शॉपिंग इवेंट में हिस्सा लिया। फेस्टिव सीजन के पहले दो दिनों की बिक्री सामान्य दिनों की तुलना में लगभग छह गुना अधिक रही, जो त्योहारी खरीदारी के बड़े पैमाने को दर्शाती है।

बिक्री में स्मार्टफोन सबसे बड़ी श्रेणी रहे। कुल जीएमवी में इनकी हिस्सेदारी 38 से 40 प्रतिशत रही, जो करीब 9,100 करोड़ रुपए से 9,600 करोड़ रुपए के बराबर है।कन्यूसर इलेक्ट्रॉनिक्स दूसरी सबसे बड़ी श्रेणी रही, जिसकी हिस्सेदारी 25 से 27 प्रतिशत रही। इस श्रेणी की बिक्री करीब 6,000 करोड़ रुपए से 6,500 करोड़ रुपए के बीच रही। वहीं फैशन उत्पादों की हिस्सेदारी कुल बिक्री में 15 से 18 प्रतिशत रही। इस कैटेगरी ने पहले दो दिनों में अनुमानित 3,630 करोड़ रुपए से 4,350 करोड़ रुपए का कारोबार किया।



गया।फ्लेक्सी कैप फंड्स में 6,702 करोड़ रुपए का निवेश आया, जबकि अगस्त में यह 5,059 करोड़ रुपए था। सेक्टरल और थीमैटिक फंड्स में

महंगे प्याज के आंसू रो रही जनता को जल्द मिलेगी राहत, त्योहारी सीजन में कीमतों पर काबू की तैयारी



नई दिल्ली आरएनएस),। आसमान छूती प्याज की कीमतों से त्रस्त आम उपभोक्ताओं को आने वाले हफ्तों में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। खरीफ की नई फसल की मंडियों में आवक शुरू होने और पुराने स्टॉक की उपलब्धता से बाजार में प्याज की आपूर्ति काफी बेहतर होने जा रही है। बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार ने भी अपने बफर स्टॉक से प्याज की बिक्री तेज कर दी है। हालांकि, मौजूदा समय में खुदरा बाजार में प्याज के दाम पिछले साल की तुलना में अभी भी करीब दोगुने स्तर पर बने हुए हैं।

पिछले साल के मुकाबले दोगुने दाम, एक महीने में नाममात्र की कमी

हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, 10 अक्टूबर को देश में प्याज की औसत खुदरा कीमत 52.99 रुपये प्रति किलो दर्ज की गई, जबकि ठीक एक साल पहले इसी अवधि में यह महज 26.65 रुपये प्रति किलो थी। इस लिहाज से सालाना आधार पर खुदरा भाव में करीब 99 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय

भी निवेश बढ़कर 3,640 करोड़ रुपए हो गया, जो अगस्त में 1,713 करोड़ रुपए था।लार्ज कैप फंड्स में सितंबर में 859 करोड़ रुपए का निवेश दर्ज किया गया, जो अगस्त के 1,147 करोड़ रुपए के आउटफ्लो के मुकाबले बड़ी वापसी मानी जा रही है। वहीं मल्टी एसेट अलोकेशन फंड्स में 3,667 करोड़ रुपए का निवेश आया, जो अगस्त के 3,671 करोड़ रुपए के लगभग बराबर है।हालांकि मजबूत एसआईपी और इंडिटी निवेश के बावजूद पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग में सितंबर के दौरान 1.33 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध आउटफ्लो दर्ज किया गया।

अगस्त में उद्योग में 41,353 करोड़ रुपए का शुद्ध इनफ्लो आया था।इस आउटफ्लो का मुख्य कारण डेट (फिक्स्ड इनकम) फंड्स रहे। सितंबर में डेट फंड्स से 1.83 लाख करोड़ रुपए की निकासी हुई, जबकि अगस्त में इनसे 8,127 करोड़ रुपए का आउटफ्लो हुआ था।।आंकड़ों से स्पष्ट है कि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा इंडिटी म्यूचुअल फंड्स और एसआईपी के प्रति लगातार मजबूत बना हुआ है। खासकर स्मॉल कैप, मिड कैप और फ्लेक्सी कैप योजनाओं में निवेशकों की दिलचस्पी तेजी से बढ़ रही है।

निफ्टी के लिए 22,800 का स्तर अहम, ब्रेकआउट मिला तो 23,300 तक दिख सकती है तेजी : एक्सपर्ट्स

मुंबई (आरएनएस),। भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को मजबूती के साथ कारोबार समाप्त किया और लगातार आठ सप्ताह की गिरावट का सिलसिला टूट गया। हालांकि बाजार विशेषज्ञों का मानना ​​​​है कि मौजूदा रिकवरी कितनी टिकाऊ होगी, यह आने वाले दिनों में प्रमुख तकनीकी स्तरों को पार करने पर निर्भर करेगा।

शुक्रवार को निफ्टी 1.3 प्रतिशत चढ़कर 22,520.45 पर बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 1.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72,472.33 पर पहुंच गया। बाजार की इस तेजी में आईटी शेयरों की अहम भूमिका रही। बेहतर तिमाही नतीजों और अंतरराष्ट्रीय कारोबार में मजबूत वृद्धि के संकेतों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया।साप्ताहिक आधार पर निफ्टी में 0.44 प्रतिशत और सेंसेक्स में 0.78 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। यह रिकवरी ऐसे समय में आई है जब इससे पहले आठ सप्ताह के दौरान निफ्टी करीब 8.7 प्रतिशत और सेंसेक्स 8.4 प्रतिशत तक टूट चुका था।विशेषज्ञों के अनुसार, हालिया तेजी बाजार में स्थिरता के शुरुआती संकेत देती है, लेकिन मजबूत रिकवरी की पुष्टि के लिए प्रमुख प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) स्तरों को पार करना जरूरी होगा। तब तक बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। विश्लेषकों का कहना है कि निफ्टी के लिए 22,200-22,250 का दायरा महत्वपूर्ण सपोर्ट जोन है, जबकि 22,750-22,800 का स्तर तत्काल प्रतिरोध के रूप में देखा जा रहा है।



बहरहाल, इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि यह नीति असल में देश में रोजगार सृजन की विफलता को ढकने की कोशिश रही है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय राजनीति में आब्रजक विरोधी मुद्दों के प्रमुखता पाने से इस मॉडल के लिए चुनौतियां बढ़ी हैं। यूरोप, अमेरिका, और यहां तक कि खाड़ी देशों में भी आब्रजक- विरोधी भावनाएं बढ़ रही हैं। ईरात युद्ध ने पश्चिम एशिया में नया संकट खड़ा किया है। इसलिए अब इस नीति पर पुनर्विचार का वक्त आ गया है। यह समझने की जरूरत है कि अपनी अर्थव्यवस्था का आधार व्यापक किए बिना देश और यहां के आवाम की खुशहाली का कोई ठोस एवं स्थायी विकल्प नहीं है। जब विदेशी दरवाजे संकुचित हो रहे हों, तब तो यही एकमात्र रास्ता रह जाता है।

छत्तीसगढ़ में गति पकड़ता राजस्व न्याय

विष्णु प्रसाद वर्मा

छत्तीसगढ़ में राजस्व प्रशासन को अधिक प्रभावी, जवाबदेह और जनोन्मुख बनाने की दिशा में राजस्व न्यायालयों के प्रदर्शन में एक नया अध्याय जुड़ गया है। दूरस्थ अंचलों से लेकर बड़े शहरों तक भूमि, नामांतरण, सीमांकन, बंटवारा और स्वामित्व जैसे आम नागरिकों के जीवन से जुड़े अत्यंत संवेदनशील मामलों को समयबद्ध सीमा में सुलझाने के लिए प्रशासनिक प्रार्थमिकताओं में अभूतपूर्व बदलाव आया है। राज्यभर के राजस्व न्यायालयों में दर्ज कुल 4,67,415 प्रकरणों में से रिकॉर्ड 3,80,224 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण कर लिया गया है। इस प्रकार संपूर्ण राज्य में मामलों के निराकरण की दर 81.35 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जबकि शेष 87,191 प्रकरणों के निपटारे के लिए भी लक्षित एवं सुव्यवस्थित प्रयास जारी हैं।

कोर्ट-कचहरी के चक्करों से मुक्ति, समय और धन की बचत

राजस्व मामलों का शीघ्र निपटारा केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव ज़मीन और आजीविका से जुड़े नागरिकों के रोजमर्रा की जीवन पर पड़ता है। कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटने से मुक्ति मिलने के साथ-साथ आम जन के समय और संसाधनों की बचत हो रही है, जिससे राज्य में पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित व्यवस्था सुदृढ़ हुई है।

दूरस्थ एवं आदिवासी अंचलों का शानदार प्रदर्शन

राजस्व न्याय की इस तीव्र गति में सबसे प्रेरणादायक तस्वीर राज्य के दूरस्थ एवं आदिवासी बहुल जिलों से सामने आई है, जहाँ प्रशासनिक पहुंच और त्वरित निर्णय क्षमता मिसाल बनी है। सुप्रीम जिला 92.70 प्रतिशत निष्पत्‍तियों के साथ पूरे प्रदेश में शीर्ष पर है, जहाँ 7,224 मामलों में से 6,697 का निपटारा किया गया है। इसी तरह नारायणपुर में 92.28 प्रतिशत (5,780 में से 5,334 प्रकरण), दत्तेवाड़ा में 91.50 प्रतिशत (5,614 में से 5,137 प्रकरण) और बीजापुर में 89.67 प्रतिशत की उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। भौगोलिक चुनौतियों के बावजूद दूरदराज के क्षेत्रों में मिली यह सफलता प्रशासनिक तंत्र की प्रविबद्धता को दर्शाती है। वहीं, राज्य के अधिक केस भार वाले बड़े जिलों में भी प्रकरणों के निपटारे का सिलसिला पूरी तेजी से चल रहा है। बस्तर में 17,600 में से 15,745 प्रकरण, बलौदाबाजार-भाटपाण में 20,905 में से 18,494 प्रकरण, राजधानी रायपुर में 34,226 में से 29,824 प्रकरण, विलासपुर में 29,495 में से 24,539 प्रकरण, जांजगीर-चांपा में 19,132 में से 16,109 प्रकरण तथा कोरबा में 19,705 में से 15,747 मामलों को हल कर नागरिकों को राहत दी गई है।

कैंसर दवाई की 10 गुना अधिक एमआरपी पर सुप्रीम कोर्ट ने उठाए सवाल

मौत से लड़ रहे कैंसर मरीजों के लिए भी सस्ती जेनेरिक दवाईयाँ बने

डॉ. चन्दर सोनाने पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने एक सप्ताह में दो बार कैंसर मरीजों की दवाई की सरकारी कीमत से 10 से 38 गुना अधिक कीमत पर बाजार में बेचने पर सख्त नाराजगी जताई और अनेक सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने 22 सितम्बर 2026 को 2700 रूपए की कीमत की कैंसर की दवाई की एमआरपी 27 हजार रूपए होने पर इसे मरीजों के साथ दिनदहाड़े डकैती निरूपित किया। उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों की चुप्पी पर भी अनेक सवाल उठाए। इसी प्रकार सुप्रीम कोर्ट ने एक सप्ताह में दूसरी बार 29 सितम्बर को कैंसर दवाईयाँ पर सरकारी खरीदी के 10 गुना अधिक कीमत पर सवाल उठाते हुए इसे कत्लेआम कहा। उन्होंने यह भी कहा कि ईलाज सेवा की बजाय कमाई का करोबार बन रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में केन्द्र से जवाब भी तलब किया।जब विधायिका और कार्यपालिका अपने कर्तव्य और जिम्मेदारियों का भली भांति निर्वहन नहीं करती है तो सुप्रीम कोर्ट को दखल देना ही पड़ता है ! इसके पिछले अनेक उदाहरण साक्षी हैं। लाचार, बेबस और मौत से लड़ रहे कैंसर मरीजों के पक्ष में एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट सामने आ खड़ा हुआ है। मॉडिया की खबरों के अनुसार कैंसर की दस दवाईयाँ की सरकारी खरीदी और एमआरपी पर जानकारी जुटाई गई तो अनेक चैंकाने वाले परिणाम सामने आए। कैंसर की एक दवाई 38 गुना अधिक कीमत पर बेची जाने की खबर ने सबको चैंका दिया। दूसरी दवाई भी करीब 37 गुना अधिक कीमत पर बेची जा रही थी। इसी प्रकार तीसरी दवाई करीब 24 गुना, चैथी दवाई 20 गुना और पाँचवी दवाई 19 गुना अधिक कीमत पर बेचा जाना पाया गया। इसी प्रकार छठी दवाई 16 गुना, सातवीं दवाई 11 गुना और आठवीं दवाई 10 गुना अधिक कीमत पर बेचा जाना पाया गया। नौवीं दवाई 7 गुना और दसवीं दवाई सरकारी खरीद से 3 गुना अधिक एमआरपी पर बेची जा रही थी। इसे यूं भी समझा जा सकता है कि कैंसर को जो दवाई सरकार को 333 रूपए में कंपनी द्वारा बेची जाती है, वही दवाई की कीमत और उसकी एमआरपी 12,500 रूपए होती है। दवाई कंपनियों ने बेतहाशा लूट मचा रखी है। इतना ही नहीं अलग-अलग कंपनियों और ब्रांड की एमआरपी भी अलग-अलग पाई गई।

जब सरकार अपने सरकारी अस्पतालों के लिए कैंसर दवाईयां खरीदती है तो वह थोक में लेती है। इसलिए उसे दवाई बनाने वाली कंपनियों से कम कीमत पर दवाई मिलती है। यहाँ सवाल यह उठता है कि जब कंपनियां संस्थागत खरीदी में कैंसर की दवाईयाँ इतनी कम कीमत पर दे सकती हैं तो उस ब्रांड की एमआरपी कई गुना अधिक दर पर बेबस कैंसर मरीज को क्यों बेची जाती है ?

नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी द्वारा 42 नॉन शेड्यूल्ड कैंसर दवाओं का पेड मार्जिन अधिकतम 30 प्रतिशत किया तो इससे 500 से अधिक ब्रांड की कीमतें घट गईं। लेकिन सभी कैंसर की दवाईयाँ इसके दायरे में नहीं होने के कारण दवाई बनाने वाली कंपनियाँ मनमाने एमआरपी पर दवाईयाँ बेचकर लूट मचा रही है। इससे कैंसर का मरीज

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए न्याय और सुरक्षा को सुदृढ़ करना एक संवैधानिक गारंटी

रामदास अठवले एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज की नींव इस विश्वास पर टिकी होती है कि प्रत्येक नागरिक गरिमा, समानता और सुरक्षा के साथ जीवन व्यतीत कर सके। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए इस संवैधानिक प्रतिबद्धता को साकार करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने अत्याचारों की रोकथाम, पीड़ितों की सुरक्षा और समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए कानूनी तथा संस्थागत व्यवस्थाओं को मजबूत करने पर जोर दिया है। इसके तहत कानूनों में संशोधन, राहत एवं पुनर्वास की बेहतर व्यवस्था, विशेष न्यायालयों की स्थापना, शिकायत निवारण तंत्र और राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने जैसे कदम उठाए गए हैं। इस व्यवस्था का प्रमुख आधार नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1955 और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 हैं। इन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समय-समय पर संशोधन किए गए हैं, ताकि जाति आधारित अत्याचारों पर अंकुश लगाया जा सके और पीड़ितों को न्याय, राहत तथा पुनर्वास उपलब्ध कराया जा सके। कानूनों में संशोधन से बढ़ा संरक्षण का दायरा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 में 26 जनवरी 2016 से प्रभावी संशोधनों के माध्यम से कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए। इनका उद्देश्य अत्याचार से जुड़े मामलों की सुनवाई में तेजी लाना और पीड़ित समुदायों को उपलब्ध कानूनी संरक्षण का विस्तार करना था। संशोधनों के तहत मामलों की सुनवाई के लिए अनन्य विशेष न्यायालयों की स्थापना तथा विशेष लोक अभियोजकों की नियुक्ति का	प्रावधान किया गया। साथ ही, अत्याचार के कई नए प्रकारों को कानून के दायरे में शामिल किया गया। पीड़ितों, उनके आश्रितों और गवाहों के अधिकारों से संबंधित प्रावधानों को भी अधिक प्रभावी बनाया गया। इन बदलावों के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया कि न्याय की प्रक्रिया केवल प्राथमिकी दर्ज करने और मुकदमे की सुनवाई तक सीमित न रहे, बल्कि पीड़ितों की सुरक्षा, गरिमा और पुनर्वास को भी समान महत्व मिले। इसके बाद 14 अप्रैल 2016 को अधिनियम से संबंधित नियमों में संशोधन किया गया। इसके तहत अत्याचार के 47 प्रकार के अपराधों के लिए निर्धारित राहत राशि बढ़ाई गई। साथ ही, पीड़ितों और उनके आश्रितों को समय पर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। प्राथमिकी दर्ज करने और गिरफ्तारी की प्रक्रिया में बदलाव कानून के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में 20 अगस्त 2018 को एक और महत्वपूर्ण संशोधन किया गया। इसके तहत अधिनियम के अंतर्गत अपराधों में प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने से पहले प्रारंभिक जांच की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई। इसके अतिरिक्त, कानून के तहत आरोपी की गिरफ्तारी से पहले अनुमति लेने की आवश्यकता भी हटा दी गई। इन बदलावों का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि प्रक्रियागत औपचारिकताएं अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विरुद्ध अत्याचार के मामलों में प्राथमिकी दर्ज करने, जांच करने और अभियोजन चलाने में बाधा न बनें। इससे पहले 27 जून 2018 को अधिनियम से संबंधित नियमों में भी संशोधन किया गया था। इसके तहत मृत्यु, चोट, बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, तेजाब हमले, संपत्ति को नुकसान और कानून के दायरे में आने
---	--

वाले अन्य अपराधों के मामलों में राहत संबंधी प्रावधानों को मजबूत किया गया।

15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 217 विशेष न्यायालय

अत्याचार से जुड़े मामलों की त्वरित सुनवाई और प्रभावी निस्तारण के लिए विशेष न्यायिक व्यवस्था विकसित की गई है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अधिनियम के तहत अपराधों की सुनवाई के लिए 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 217 अनन्य विशेष न्यायालय स्थापित किए जा चुके हैं।

अधिनियम में यह भी प्रावधान है कि जिन जिलों में ऐसे मामलों की संख्या अपेक्षाकृत कम है, वहां संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सहमति से सत्र न्यायालयों को विशेष न्यायालय के रूप में नामित किया जा सकता है।

विशेष न्यायालयों की स्थापना का उद्देश्य मामलों की सुनवाई में तेजी लाना, न्यायिक प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना और पीड़ितों को विशेष न्यायिक तंत्र तक पहुंच उपलब्ध कराना है।

'संबल' हेल्पलाइन से शिकायत निवारण को बढ़ावा

कानूनी संरक्षण को प्रभावी बनाने के लिए नागरिकों में अधिकारों के प्रति जागरूकता और सहायता तक आसान पहुंच भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से 13 दिसंबर 2021 को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के विरुद्ध अत्याचारों से संबंधित राष्ट्रीय हेल्पलाइन शुरू की गई, जिसे बाद में 'संबल' नाम दिया गया। इस हेल्पलाइन के लिए टोल-फ्री नंबर 1800–202–1989 और संक्षिप्त नंबर 14566 निर्धारित किए गए हैं। इनके माध्यम से लोगों को अत्याचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी, मार्गदर्शन और शिकायत निवारण व्यवस्था तक पहुंच उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है।

विश्व में एकलौती भारतीय उदात्त दृष्टि

संजीव ठाकूर

उपनिषदों का प्रसिद्ध वाक्य "वसुधैव कुटुम्बकम्" केवल एक आदर्श वाक्य नहीं, बल्कि मनुष्य के जीवन जीने की ऐसी शैली है जिसमें समस्त सृष्टि के प्रति आत्मीयता, करुणा, सह-अस्तित्व और समरसता का भाव निहित है। भारतीय संस्कृति का मूल दर्शन केवल अपने परिवार या राष्ट्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने संपूर्ण मानवता को एक परिवार मानने की उदात्त दृष्टि प्रदान की है। आज जब दुनिया स्वार्थ, हिंसा, युद्ध, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसी समस्याओं से जूझ रही है, तब यह भारतीय जीवन-दर्शन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। मनुष्य की महानता उसके धन के परिमाण से नहीं, बल्कि उसके हृदय की विशालता से आँकी जाती है। किसी धनी व्यक्ति द्वारा अपनी विपुल संपत्ति का थोड़ा-सा भाग दान करना निश्चित रूप से प्रशंसनीय है, किंतु उससे कहीं अधिक महान वह व्यक्ति है, जिसके पास सीमित साधन होने के बावजूद वह अपनी आवश्यकताओं में कटौती कर किसी जरूरतमंद की सहायता करता है। यही वास्तविक परोपकार है। संत कबीर ने कहा है वृक्ष कबहुँ नहीं फल भूखे, नदी न संचै नीर। परमार्थ के कानने, साधुन धरा शरीर, अर्थात् प्रकृति का प्रत्येक तत्व दूसरों के लिए जीना सिखाता है। जियो और जीने दो का सिद्धांत तथा वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना जिस समाज में सशक्त होती है, उस समाज की प्रगति को कोई रोक नहीं सकता। ऐसे समाज में विश्वास, सहयोग, नैतिकता और संवेदनशीलता का वातावरण निर्मित होता है। महात्मा गांधी का कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है कि स्वयं को पाने का सर्वोत्तम तरीका है कि स्वयं को दूसरों की सेवा में खो दिया जाए। मनुष्य का जीवन उत्साह, संघर्ष और निरंतर विकास की यात्रा है। जीवन में परिवर्तन स्वाभाविक

है और विकास की संभावनाएँ भी परिवर्तन के साथ ही जन्म लेती हैं। जो व्यक्ति स्वयं के साथ-साथ समाज और मानवता के कल्याण के लिए जीता है, वही जीवन की वास्तविक सार्थकता को प्राप्त करता है। स्वामी विवेकानंद का यह प्रेरक संदेश प्रत्येक व्यक्ति के लिए मार्गदर्शक है— उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।

शास्त्रों में पुनर्जन्म की अवधारणा का विस्तार से वर्णन मिलता है। अनेक लोग यह मानते हैं कि इस जन्म के शुभ कर्म अगले जन्म को श्रेष्ठ बनाते हैं। यह आस्था भारतीय अध्यात्म का महत्वपूर्ण पक्ष है। किंतु यदि दार्शनिक दृष्टि से विचार करें तो वर्तमान जीवन ही हमारे हाथ में उपलब्ध सबसे बड़ा सत्य है। भविष्य या अगले जन्म की कल्पनाओं में वर्तमान के कर्तव्यों की उपेक्षा करना उचित नहीं कहा जा सकता। इसलिए आवश्यक है कि हम इसी जीवन को उत्कृष्ट बनाएं, इसी जीवन में मानवता के लिए उपयोगी कार्य करें और समाज के लिए ऐसी विरासत छोड़ जाएं, जो आने वाली पीढ़ियों का मार्ग आलोकित करे।

जीवन के उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग-अलग हो सकते हैं। कोई आर्थिक समृद्धि चाहता है, कोई राजनीति में प्रतिष्ठा, कोई विज्ञान के क्षेत्र में उपलब्धि, कोई साहित्य, कला, संस्कृति, शिक्षा या व्यवसाय में उत्कृष्टता प्राप्त करना चाहता है। लक्ष्य चाहे जो भी हो, उसकी प्राप्ति के लिए अपनाए गए साधनों की शुद्धता ही व्यक्ति के चरित्र का वास्तविक परिचय देती है। महात्मा गांधी का यह विचार संदेव स्मरणीय है साथ्य जितना पवित्र हो, साधन भी उतने ही पवित्र होने चाहिए। मनुष्य को अपने जीवन में साहस, संयम, आत्मविश्वास, अनुशासन और तपस्या के साथ आगे बढ़ना चाहिए। असफलता से घबराने के स्थान पर उसे सीख के रूप में स्वीकार करना चाहिए। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम कहा करते थे कि सपने वे नहीं होते जो सोते समय आते हैं, सपने

वे होते हैं जो आपको सोने नहीं देते। यही स्वयं जब कठोर परिश्रम और सकात्त्वक चिंतन से जुड़ते हैं, तब वे समाज के लिए प्रेरणा बन जाते हैं।

मानवीय संवेदनाएँ ही मनुष्य को अन्य प्राणियों से श्रेष्ठ बनाती हैं। यदि जीवन केवल व्यक्तिगत सुख-सुविधाओं तक सीमित रह जाए तो उसकी सार्थकता अधूरी रह जाती है। सच्चा जीवन वही है जो अपने तन, मन और धन का कुछ अंश समाज के वर्चित, पीड़ित और असहाय वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित कर सके। गौतम बुद्ध ने कहा था— हजारों दीपक एक दीपक से जल सकते हैं, फिर भी उस दीपक का प्रकाश कम नहीं होता। ठीक उसी प्रकार दूसरों के जीवन में आशा का प्रकाश फैलाने से हमारा जीवन और अधिक प्रकाशित होता है।

अनेक चिंतकों ने जीवन को रांगमंच की संज्ञा दी है। हम सभी विभिन्न भूमिकाएँ निभाते हुए अपने जीवन का अभिनय करते हैं। किंतु इन भूमिकाओं की सफलता हमारे पद, प्रतिष्ठा या वैभव से नहीं, बल्कि हमारी सच्चाई, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और मानवीय व्यवहार से निर्धारित होती है। यही गुण व्यक्ति को समाज में स्थायी सम्मान दिलाते हैं।

सफलता और असफलता जीवन के दो अविभाज्य पक्ष हैं। जो व्यक्ति सफलता में विनम्र और असफलता में धैर्यवान रहता है, वही वास्तव में परिपक्व व्यक्तित्व का स्वामी होता है। लोभ, लालच, अहंकार और असीमित इच्छाएँ मनुष्य को भीतर से खोखला बना देती हैं, जबकि संतोष, संयम और नैतिकता उसे आत्मिक समृद्धि प्रदान करते हैं। इसका अर्थ यह नहीं कि आर्थिक उन्नति का प्रयास छोड़ दिया जाए। आवश्यकता इस बात है कि आध्यात्मिक मूल्यों, सांस्कृतिक चेतना और आर्थिक प्रगति के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। यही संतुलित दृष्टिकोण एक स्वस्थ समाज का निर्माण करता है। जीवन का प्रत्येक क्षण परिवर्तनशील है। परिवर्तन प्रकृति का शाश्वत नियम है।



सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन न करें, छात्रों के मुहों पर दें ध्यान, केंद्रीय मंत्री की सीजेपी को सलाह

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन कर रही ‘काँकरोच जनता पार्टी’ को प्रदर्शन वापस लेने की सलाह दी है। आठवले ने कहा कि सीजेपी का मूल उद्देश्य छात्रों के हितों की रक्षा करना था, इसलिए उन्हें चुनाव आयोग के मामलों में पड़ने के बजाय छात्रों की शिक्षा प्रणाली और परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों पर ही आवाज उठानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा बुलाए गए विरोध प्रदर्शनों पर भी सवाल खड़े करते हुए विपक्ष पर देश में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया।रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने कहा कि सीजेपी को इस तरह का राजनीतिक आंदोलन खड़ा करने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने पार्टी के गठन की पृष्ठभूमि याद दिलाते हुए कहा, काँकरोच जनता पार्टी की स्थापना नीट परीक्षा के पेपर लीक मामले के खिलाफ आवाज उठाने के लिए हुई थी। उस समय पार्टी ने तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांगा था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वीकार कर लिया और आपकी सभी प्रमुख मांगें पूरी की गईं। अब ऐसी स्थिति में ज्ञानेश कुमार के मामले में हस्तक्षेप करने की आपकी क्या जरूरत है ?

दिल्ली मेट्रो में सीट विवाद में हत्या, पूर्व आईएस और बेटे ने यात्री को पीट-पीटकर मार डाला; दोनों गिरफ्तार

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। दिल्ली मेट्रो में वरिष्ठ नागरिकों के लिए आरक्षित सीट को लेकर हुए विवाद ने एक निर्दोष यात्री की जान ले ली। सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पर पूर्व आईएसएस अधिकारी संजय प्रताप सिंह और उनके बेटे सिद्धार्थ सिंह ने मिलकर पवन शर्मा नाम के यात्री की बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उनकी मौके पर ही हालत बिगड़ गई और बाद में अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दिल्ली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पूर्व नौकरशाह और उनके बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की शुद्धाती जांच के अनुसार, मृतक पवन शर्मा अपनी 65 वर्षीय बुजुर्ग मां दुर्गा देवी के साथ मेट्रो ट्रेन में सवार होकर यमुना विहार की ओर जा रहे थे। दोनों सीनियर सिटिजन के लिए आरक्षित सीट पर बैठे हुए थे। इसी दौरान मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन से नोएडा निवासी पूर्व आईएसएस अधिकारी संजय प्रताप सिंह अपने बेटे सिद्धार्थ सिंह के साथ उसी कोच में सवार हुए।कोच में प्रवेश करते ही बुजुर्गों के लिए आरक्षित सीट को लेकर पूर्व आईएसएस और उनके बेटे की पवन शर्मा से तीखी बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते वह विवाद हिंसक रूप ले बैठा। आरोप है कि दोनों बाप-बेटों ने पवन के साथ गाली-गलौज करते हुए ताबड़तोड़ थपड़ बरसाने शुरू कर दिए और उनकी बुरी तरह पिटाई कर दी। मारपीट के दौरान दोनों ने पवन को इतनी जोर से धक्का दिया कि वह प्लेटफार्म पर गिरकर अचेत हो गए।

दुल्हन ने शादी के 72 घंटे के अंदर ही पति समेत पूरे परिवार को दिया जहर, फिर कर डाला ये कांड

मुंबई,(आरएनएस)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में शादी की खुशियां उस समय मातम और सदमे में बदल गईं, जब कथित तौर पर एक नवविवाहिता ने शादी के तीसरे दिन अपने पति और ससुराल के सदस्यों के खाने में चूहे मारने की दवा मिला दी। खाना खाने के कुछ देर बाद परिवार के सदस्यों की तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया पड़ा। वारदात के बाद आरोपी दुल्हन एक अन्य महिला के साथ घर से गहने और शादी में मिले पैसे लेकर फरार हो गई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों महिलाओं को हिरासत में ले लिया है।

7 अक्टूबर को हुई थी शादी, 9 अक्टूबर को रात वारदात
यह मामला जलगांव जिले की तालुका के वेल्हाने गांव का है। यहां 32 वर्षीय युवक की शादी 7 अक्टूबर को हुई थी। आरोप है कि 9 अक्टूबर की रात दुल्हन ने पति समेत परिवार के चार सदस्यों के खाने में चूहे मारने की दवा मिला दी। खाना खाने के बाद सभी की तबीयत बिगड़ने लगी।

बुजुर्ग दंपती को धुले के सरकारी अस्पताल में कराया भर्ती
परिवार के सदस्यों की हालत बिगड़ने के बाद मामले का खुलासा हुआ। बुजुर्ग दंपती को इलाज के लिए धुले के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की। उपचार के बाद परिवार के सदस्यों की हालत में सुधार होने की सूचना है। घटना के बाद आरोपी महिलाओं की गिरफ्तारी की मांग को लेकर स्थानीय लोगों और परिवार के सदस्यों ने पुलिस स्टेशन के सामने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फरार होने की कोशिश कर रही दोनों महिलाओं को धुले जिले के निगुल गांव के पास से हिरासत में ले लिया।पुलिस के अनुसार, आरोपी दुल्हन की पहचान सुमन सुभाष साहनी के रूप में हुई है, जबकि दूसरी महिला का नाम आरती सूर्याक्ष पटेल बताया गया है। दोनों झारखंड की रहने वाली हैं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, युवक दूसरे राज्य की युवती से शादी करने के लिए कथित तौर पर 2.5 लाख रुपये देकर उसे महाराष्ट्र लाया था। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

प्रदर्शनकारियों के गुरुद्वारे में घुसने पर विवाद, केजरीवाल और आप नेताओं के खिलाफ एफआईआर डीएसजीएमसी अध्यक्ष ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली में गुरुद्वारा परिसर में प्रदर्शनकारियों के प्रवेश को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के अध्यक्ष ने आम आदमी पार्टी के नेताओं और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि आप समर्थक जबरन गुरुद्वारे में दाखिल हुए और वहां राजनीतिक गतिविधियों के जरिए माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई। अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के वीडियो और सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से पूरे मामले को गलत तरीके से पेश किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डीएसजीएमसी अध्यक्ष ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और अमरकंट सुनिथोजित तरीके से गुरुद्वारा परिसर में दाखिल हुए। आरोप है कि इस दौरान परिसर में अफरा-तफरी और अशांति का माहौल पैदा हुआ।

15 अक्टूबर तक देश से विदा हो सकता है मानसून, डेढ़ दशक के सबसे तेज विदाई रिकॉर्ड की होगी बराबरी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। देश भर से दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD) और निजी मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के अनुसार, 15 अक्टूबर के आसपास दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरे देश से विदा हो सकता है। यदि ऐसा होता है, तो यह हाल के वर्षों में मानसून की सबसे तेज विदाई में से एक मानी जाएगी। इसके साथ ही दक्षिण भारत में पूर्वोत्तर मानसून के आगमन के लिए भी परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल बन रही हैं, जिससे कई दक्षिणी राज्यों में भारी बारिश का दौर शुरू होने की संभावना है।

दक्षिण भारत में पूर्वोत्तर मानसून की दस्तक, इन राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार, 15 से 21 अक्टूबर के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून की पूर्ण वापसी के साथ ही प्रायद्वीपीय भारत और पूर्वी तटीय इलाकों में पूर्वोत्तर मानसून की बारिश दस्तक दे देगी। इस दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और केरल के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। इस अवधि में दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में बारिश का स्तर सामान्य से अधिक रह सकता है,



नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय एकता यात्रा के तहत कारगिल, लद्दाख के छात्रों का एक समूह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से बातचीत करते हुए ।

220 की रफ्तार से दौड़ रही मिनी कूपर ने स्कूटर को मारी टक्कर, 3 की मौत; नशे में धुत रईसजादे बोले- ‘पापा संभाल लेंगे’



कोच्चि, (आरएनएस)। केरल के कोच्चि में देर रात तेज रफ्तार और नशे की सनक ने तीन बेकसूरों की जान ले ली। नेटुंबस्सेरी एयरपोर्ट के पास करीब 220 किलोमीटर प्रति घंटे की बेकाबू रफ्तार से दौड़ रही एक लगजरी मिनी कूपर कार ने सामने से स्कूटर को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में दोपहिया वाहन पर सवार दो युवतियों सहित तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने कार चला रहे 19 वर्षीय रईसजादे सुहैल और उसके साथी को हिरासत में ले लिया है। आरोपी चालक पर गैर-इशतदन हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है।

देर रात चाय पीने निकले थे साथी, अथानी जाते वक्त काल बनकर आई कार
नेटुम्बसेरी पुलिस के अनुसार, यह दर्दनाक सड़क हादसा देर रात करीब 1:45 बजे हुआ। मृतकों की पहचान पलक्कड़ निवासी गोपिका, वायनाड निवासी देविंका और कर्नाटक के रहने वाले इजाज के रूप में हुई है। ये तीनों श्रीकाकारा स्थित एक हीड्रीफ्राफ्ट शॉप में काम करते थे और देर रात एयरपोर्ट के पास चाय

की एक दुकान पर गए थे। चाय पीने के बाद जब वे स्कूटर से अथानी की ओर लौट रहे थे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार मिनी कूपर ने उनके वाहन को जबरदस्त टक्कर मार दी। भिड़ते इतनी जोरदार थी कि स्कूटर के परखच्चे उड़ गए और कार का अगला हिस्सा भी बुरी तरह चकनाचूर हो गया। स्थानीय लोग गंभीर हालत में तीनों को तुरंत अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस की शुद्धाती तफ्तीश में सामने आया है कि कार चला रहा आरोपी सुहैल (19) अलपुझा दक्षिण के सजीव जमाल का बेटा है। हादसे से ठीक पहले का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें स्पीडोमीटर पर कार की रफ्तार करीब 220 किमी प्रति घंटा दिखाई दे रही है। एर्नाकुलम ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक (S P) के. एस. सुदर्शन ने बताया कि आरोपी के नशे में होने की प्रबल आशंका है, जिसकी पुष्टि के लिए ब्लड सैंपल जांच हेतु भेजे गए हैं। इसके साथ ही कार में किसी भी तरह के प्रतिबंधित नशीले पदार्थ की मौजूदगी जांचने के लिए वाहन का फॉरेंसिक मुआयना कराया जा रहा है।

‘सड़कें गाड़ी चलाने के लिए ही हैं, पापा संभाल लेंगे’: साथी की हेक्कड़ी पर भड़का लोगों का गुस्सा
हादसे के बाद जब पुलिस आरोपी सुहैल और उसके साथी निनव (19) को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल लेकर पहुंची, तो वहां भारी बवाल हो गया। अस्पताल परिसर में निनव ने बेहद गैर-जिम्मेदाराना और टशन भरा बयान देते हुए कहा कि सड़कें तो गाड़ी चलाने के लिए ही बनी होती हैं और उसके पिता इस पूरे मामले को संभाल लेंगे।

दिल्ली में अवैध निर्माण और खतरनाक भवनों के विरुद्ध सरला अभियान जारी, पिछले एक महीने में 1,046 संपत्तियों पर कार्रवाई

नई दिल्ली, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के आदेश पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) राजधानी में अवैध निर्माण और खतरनाक भवनों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई कर रही है। लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित हादसों को रोकने के लिए ऐसे भवनों को ध्वस्त करने के साथ-साथ नियमों का उल्लंघन करने वाली संपत्तियों को सील भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने निगम को निर्देश दिए हैं कि राजधानी में अवैध इमारतों के विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्रवाई लगातार जारी रखी जाए और इसे और तेज किया जाए। मुख्यमंत्री ने बताया कि 6 सितंबर से 10 अक्टूबर के बीच दिल्ली नगर निगम ने सभी 12 जों में 1,046 संपत्तियों को सील किया गया और 47 खतरनाक इमारतों को ध्वस्त किया गया। ये कार्रवाई अवैध निर्माण, खतरनाक भवनों और भवन निर्माण नियमों के उल्लंघन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा हैं।

सभी 12 जों में कार्रवाई, नरेला से दक्षिण दिल्ली तक अभियान
6 सितंबर से 10 अक्टूबर के बीच नरेला जों में 62, रोहिणी में 158, सिविल लाईंस में 63, केशवपुरम में 61, सिटी एसपी जों में 87, करोल बाग में 85, शाहदरा साउथ में 87, शाहदरा नॉर्थ में 115, वेस्ट जों में 87, नजफगढ़ में 45, सेंट्रल जों में 75 और साउथ जों में 121 संपत्तियां पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई। इसी दौरान नरेला में एक, रोहिणी में दो, सिविल लाईंस में आठ, केशवपुरम में 20, सिटी एसपी जों में 87, करोल बाग में 11, शाहदरा साउथ में 27, शाहदरा नॉर्थ में 41, वेस्ट जों में 23, नजफगढ़ में तीन, सेंट्रल जों में 18 और साउथ जों में 41 संपत्तियों को सील किया गया। इस तरह सभी 12 जों में कुल 282 संपत्तियों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई। खतरनाक इमारतों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।



जबकि उत्तर-पश्चिम, पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में मौसम शुष्क बना रहेगा और बारिश सामान्य से कम दर्ज की जाएगी।

19 सितंबर से शुरू हुआ था वापसी का दौर, अंतिम चरण में प्रक्रिया
स्काईमेट वेदर सर्विसेज के अध्यक्ष जी.पी. शर्मा के मुताबिक, 19 सितंबर से शुरू हुई मानसून वापसी की प्रक्रिया अब अपने अंतिम पड़ाव में

पहुंच चुकी है। वर्तमान में मानसून वापसी की सीमा सुपौल, रांची, सुंदरगढ़, बरगढ़, बीजापुर, हैदराबाद, बेलगावी और पुणजी से होकर गुजर रही है। देश के पश्चिमी हिस्से से मानसूनी हवाएं पूरी तरह लौट चुकी हैं। उम्मीद है कि 13 अक्टूबर तक दक्षिण प्रायद्वीप, मध्य और पूर्वी भारत के अधिकांश हिस्सों से भी विदाई पूरी हो जाएगी, जिसके बाद केवल मिजोरम और त्रिपुरा ही इसके दायरे में बचेंगे। इसके अगले 48 घंटों में देश के हर कोने से मानसून की वापसी मुमकिन है।

डेढ़ दशक के सबसे तेज विदाई रिकॉर्ड की होगी बराबरी

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, जब वापसी रेखा प्रायद्वीप पर लगभग 15 डिग्री उत्तरी अक्षांश तक पहुंच जाती है और मानसूनी हवाएं पूरे उपमहाद्वीप से हट जाती हैं, तब दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई को पूरा माना जाता है। यदि मौसम विभाग 15 अक्टूबर के आसपास आधिकारिक विदाई की घोषणा करता है, तो यह पिछले डेढ़ दशक की सबसे त्वरित विदाई में शुमार होगा। इससे पहले वर्ष 2024 में 15 अक्टूबर, 2025 में 16 अक्टूबर और 2023 में 19 अक्टूबर को मानसून ने देश से पूरी तरह विदाई ली थी।

राहुल गांधी से क्यों नहीं मिले सीजेआई सूर्यकांत ? चीफ जस्टिस ने खुद बताई बड़ी वजह



नई दिल्ली,(आरएनएस)। मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन विवाद को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे के पत्र पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। सीजेआई ने कहा कि उन्हें दो दिन पहले राहुल गांधी का पत्र मिला था, लेकिन विपक्षी नेताओं को किसी ज्ञापन या प्रशासनिक मुलाकात के बजाय औपचारिक कानूनी याचिका दायर करनी चाहिए। सीजेआई ने स्पष्ट किया कि देश के संविधान के तहत अदालत के दरवाजे हर नागरिक के लिए खुले हैं और किसी भी मामले की सुनवाई कानून के तय दायरे में ही होगी।पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत के दौरान

मुख्य न्यायाधीश ने पत्र की अंतर्वस्तु को गोपनीय रखते हुए बताया कि वे इस विषय पर सीधे बैठक करने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट रिवीजन से जुड़ा मामला पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। ऐसे में किसी भी पक्ष से न्यायिक प्रक्रिया से बाहर जाकर चर्चा नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि संविधान के मुताबिक न्यायपालिका सरकार या चुनाव आयोग के रोजमर्रा के प्रशासनिक व सरकारी कामकाज में सीधे हस्तक्षेप नहीं कर सकती, लेकिन यदि किसी प्रक्रिया में कानूनी खामी है तो उसकी समीक्षा न्यायिक प्रक्रिया के तहत ही संभव है।सीजेआई ने विपक्षी नेताओं को कानूनी रास्ता अपनाने का सुझाव देते हुए कहा कि अगर विपक्ष को मतदाता सूची पुनरीक्षण से कोई वास्तविक कानूनी शिकायत है, तो वे एक सामान्य नागरिक की तरह विधिवत याचिका दाखिल कर सकते हैं। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि विपक्ष की ओर से याचिका दायर की जाती है, तो उस पर मंगलवार को ही सुनवाई संभव है, क्योंकि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) से जुड़ी कुछ अन्य याचिकाएं पहले से ही मंगलवार की कार्यसूची में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हैं।

सीजेपी से ध्वव राठी ने तोड़ा नाता, बोले- मेरा पार्टी से कोई संबंध नहीं



नई दिल्ली,(आरएनएस)। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उतरी ‘काँकरोच जनता पार्टी’ के आंदोलन से मशहूर यूपूबर ध्वव राठी ने खुद को पूरी तरह अलग कर लिया है। जर्मनी में रहकर केंद्र सरकार की नीतियों पर मुखर वीडियो बनाने के लिए चर्चित राठी ने स्पष्ट किया है कि उनका सीजेपी संगठन से किसी भी तरह का आधिकारिक या संगठनात्मक संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि वह इस आंदोलन में केवल व्यक्तिगत हैसियत से और चुनावी पारदर्शिता के समर्थन में शामिल होने पहुंचे थे।यूपूबर पर करोड़ों स्वयंक्राइबरस की फॉलोइंग रखने वाले ध्वव राठी को सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपक और सौरव दास का करीबी माना जाता रहा है। इससे पहले जब नीट पेपर लीक विवाद के दौरान जंतर-मंतर पर सीजेपी ने अपना पहला प्रदर्शन किया था, तब भी राठी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और सोशल मीडिया के जरिए अभिजीत दीपक के साथ सक्रिय संवाद में नजर आए थे। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन में उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर जमीनी स्तर पर उतरने का निर्णय लिया था।

राजस्थान में पूर्व विधायक की पीट-पीटकर हत्या, क्रेशर प्लांट विवाद में 70-80 लोगों पर हमले का आरोप



भरतपुर,(आरएनएस)। राजस्थान के भरतपुर जिले में क्रेशर प्लांट को लेकर लंबे समय से चल रहा विवाद रविवार शाम खूनी संघर्ष में बदल गया। बयाना के पूर्व विधायक और बीजेपी नेता अतर सिंह भड़ाना की गंभीर रूप से घायल होने के बाद मौत हो गई। आरोप है कि वैर थाना क्षेत्र के भौंडा गांव में स्थित उनके क्रेशर प्लांट पर 70 से 80 लोगों ने लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया। हमले में भड़ाना के साथ उनके सहयोगी गगन शर्मा भी गंभीर रूप से घायल हो गए। भड़ाना ने जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में रात करीब 11:30 बजे अंतिम सांस ली। घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, रविवार शाम करीब 6:30 बजे अतर सिंह भड़ाना भौंडा गांव स्थित अपने क्रेशर प्लांट पर मौजूद थे। बताया जा रहा है कि पिछले करीब एक साल से बंद पड़े क्रेशर को दोबारा चालू कराने के प्रयास किए जा रहे थे। इसी

दौरान क्रेशर प्लांट को लेकर चल रहा पुराना विवाद फिर भड़क उठा और ग्रामीणों तथा भड़ाना पक्ष के बीच कहासुनी के बाद मारपीट शुरू हो गई।

आरोप है कि इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने लाठी-डंडों और पत्थरों से हमला कर दिया। संघर्ष में अतर सिंह भड़ाना और उनके सहयोगी गगन शर्मा निवासी नदबई गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को पहले वैर उप जिला अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर भड़ाना को जयपुर के S M S अस्पताल और गगन शर्मा को भरतपुर रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान भड़ाना की मौत हो गई।पूर्व विधायक को पत्नी कमलेश ने घटना को लेकर पुलिस और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि क्रेशर की लीज का कनेक्शन काट दिया गया था और वाटर पंप भी खराब कर दिया गया था। लीज पर जाने वाले लोगों को भी वहां से भगाया जा रहा था। कमलेश के मुताबिक, इन घटनाओं की जानकारी पुलिस और प्रशासन को लगातार दी जा रही थी, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने दावा किया कि रविवार शाम करीब 6:30 से 7 बजे के बीच 70 से 80 लोगों ने उनके पति और अन्य लोगों पर हमला किया। पत्नी ने अतर सिंह भड़ाना को गोली लगने की बात भी कही है। हालांकि, वैर अस्पताल के डॉक्टरों ने शुरुआती जांच में गोली लगने की आशंका से इनकार किया था। पुलिस अब फायरिंग के आरोपों की भी जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, क्रेशर-प्लांट को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। थाना प्रभारी धीरेंद्र सिंह के अनुसार, करीब चार साल पहले भी क्रेशर संचालक और ग्रामीणों के बीच झगड़ा और मारपीट हुई थी। ग्रामीणों का आरोप था कि क्रेशर के लिए चारागाह भूमि पर अतिक्रमण किया गया और अवैध खनन किया जा रहा था। रविवार को स्थिति तब बिगड़ गई, जब भड़ाना पक्ष के 40 से 50 लोग वहां पहुंचे और कथित तौर पर ग्रामीणों को धरना स्थल से हटा दिया। ग्रामीणों का दावा है कि इसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ा और लाठी-पत्थर चलने लगे।

ईरान ने होर्मुज खोलने के लिए रखी अपनी 7 शर्तों पर अमेरिकी प्रतिक्रिया को अपर्याप्त बताया

तेहरान,(आरएनएस)। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए अपनी 7 शर्तें रखी हैं, जिस पर अमेरिका की हाल में आई प्रतिक्रिया को उसने खारिज कर दिया है। ईरानी सरकारी मीडिया ने बताया कि रविवार को ईरान के सुरक्षा प्रमुख और सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मोहसेन रेजाई ने अमेरिकी प्रतिक्रिया को अपर्याप्त बताया। उन्होंने कहा कि किसी प्रगति से पहले वाशिंगटन को उन मुद्दों पर अपना रुख स्पष्ट करना होगा जो तेहरान के लिए अभी भी स्पष्ट नहीं हैं।

रेजाई ने कहा, हमने अमेरिकियों के सामने 7 शर्तें रखीं और स्पष्ट रूप से कहा कि जब तक ये शर्तें पूरी नहीं होतीं, तब तक होर्मुज उनके लिए नहीं खोला जाएगा और न कोई बातचीत होगी। ईरान अब अमेरिकियों को जवाब देने की प्रक्रिया में नहीं है। अपने जवाब में, उन्होंने हमारी कुछ शर्तों को स्वीकार किया है, जबकि अन्य शर्तें अभी भी अस्पष्ट हैं।व्ता दें कि होर्मुज नाकाबंदी और प्रतिबंध से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति दांव पर लगी है।ईरान ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान एक प्रस्ताव में कहा था कि अगर शर्तें पूरी होती हैं तो होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोला जा सकता है और 7 दिनों में सामान्य समुद्री आवागमन बहाल किया जा सकता है। इस पर अमेरिका ने कतरी मध्यस्थों के माध्यम से जवाब दिया।

चर्चा से परिचित एक अधिकारी ने बताया कि मुख्य असहमति योजना के सार को लेकर नहीं, बल्कि प्रस्तावित उपायों को लागू करने के क्रम को लेकर थी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के साथ सार्थक बातचीत कर रहे हैं, लेकिन अमेरिका 3 नवंबर के मध्यावधि चुनावों से पहले ईरान पर हमला नहीं करेगा। उन्होंने अपने इस रुख को भी दोहराया कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होंगे।ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी चेतावनी दी है कि अगर वाशिंगटन कूटनीति का रास्ता छोड़ देता है तो तेहरान नए सिरे से सैन्य टकराव के लिए तैयार है।

रियाद में हवाई अड्डे पर हुए हमले का सीसीटीवी फुटेज सामने आया, दिखा भयावह विस्फोट

रियाद, (आरएनएस)। सऊदी अरब के रियाद स्थित किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए हूती विद्रोहियों के मिसाइल हमले का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें भयावह दृश्य दिख रहा है। सऊदी अरब के सरकारी टेलीविजन द्वारा जारी सीसीटीवी फुटेज में हमले के बाद मची अफरा-तफरी कैद हो गई है, जिसमें मिसाइल गिरने से पहले और बाद के दृश्य हैं। फुटेज में छत का कुछ हिस्सा भी गिरता हुआ दिखाई दे रहा है। सूत्रों ने जो फुटेज जारी की हैं, वह हवाई अड्डे के 3 अलग-अलग कोनों की है।इसमें जगह यात्री अपनी फ्लाइट में चढ़ने का ईंतजार करते दिख रहे हैं, तभी अचानक एक धमाका हुआ और तेज नारंगी रोशनी चमकी, जिससे कई लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।दूसरे वीडियो में चेक-इन के बाद का दृश्य है, जिसमें तेज धमाका होता दिख रहा है। हवाई अड्डे पर अधिकतर लोग उमराह के जुटे तीर्थयात्री थे। यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा किए गए भीषण हमले में 13 लोग मारे गए हैं। इनमें एक भारतीय भी शामिल है, जो अपने परिवार के साथ मदीना जा रहे थे।रियाद स्थित भारतीय दूतावास ने इसकी पुष्टि की है। हमले में 380 से अधिक लोग घायल हो गए हैं। मृतक के शव को भारत लाने की तैयारी की जा रही है।

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज शुरू करने से पहले जान लें ये 5 बातें

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज को अक्सर लोग जिम में शरीर बनाने और मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि आप इसका अभ्यास बिना किसी योजना के कर दें। दरअसल, वजन उठाने वाली एक्सरसाइज को शुरू करने से पहले



कुछ बातों का खास ध्यान रखना जरूरी है ताकि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके। आइए आज हम आपको वजन उठाने वाली एक्सरसाइज से जुड़ी अहम बातें बताते हैं।

सबसे पहले डॉक्टर से लें सलाह

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज शुरू करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। खासतौर से अगर आप पहले से कोई बीमारी या चोट से जूझ रहे हैं या आपकी उम्र 45 साल से ज्यादा है।

डॉक्टर आपकी सेहत का आकलन करके आपको वजन उठाने वाली एक्सरसाइज करने की इजाजत दे सकते हैं या नहीं। इसके अलावा

डॉक्टर आपको सही आहार और एक्सरसाइज के बारे में भी बता सकते हैं।

प्रशिक्षक से लें मार्गदर्शन

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज करते समय शरीर की मुद्रा का सही होना जरूरी है क्योंकि गलत तरीके से की गई एक्सरसाइज से चोट लगने का खतरा बढ़ सकता है।इसलिए बेहतर होगा कि आप वजन उठाने वाली एक्सरसाइज शुरू करने से पहले किसी अच्छे प्रशिक्षक से मार्गदर्शन लें।इसके अलावा आप ऑनलाइन वीडियो देखकर भी वजन उठाने वाली एक्सरसाइज की सही तकनीक और फॉर्म को सीख सकते हैं।

धीरे-धीरे बढ़ाएं वजन

अगर आप वजन उठाने वाली एक्सरसाइज से जुड़ी सभी तकनीक और फॉर्म सीख भी जाते हैं तो भी आपको शुरूआत में हल्का वजन उठाना चाहिए। यह मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है।इसके अलावा इससे आपको सही फॉर्म को बनाए रखने में मदद मिलेगी। साथ ही आपको अधिक वजन उठाने के कारण चोट लगने का खतरा भी नहीं रहेगा। इसके बाद ही आप धीरे-धीरे वजन बढ़ा सकते हैं।

वार्मअप करना है जरूरी

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज से पहले वार्मअप करना बहुत जरूरी है। दरअसल, जब आप अपने शरीर को गर्म करते हैं तो इससे आपके दिल की धड़कनें बढ़ती हैं और आपकी मांसपेशियां सक्रिय हो जाती हैं।इससे आपके शरीर में लचीलापन भी आता है और आप आसानी से वजन उठाने वाली एक्सरसाइज कर सकते हैं।इसके अलावा वार्मअप करने से शरीर में रक्त संचार बढ़ता है, जिससे शरीर में मौजूद जमी हुई चर्बी आसानी से पिघलने लगती है।

हाइड्रेट रहें

वजन उठाने वाली एक्सरसाइज के दौरान शरीर को पर्याप्त पानी देना महत्वपूर्ण है। अगर आप जिम में बहुत पसीना बहा रहे हैं तो पानी के साथ-साथ इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन भी करें।इसके लिए आप नारियल पानी, स्पोर्ट्स ड्रिंक या फिर इलेक्ट्रोलाइट्स युक्त पानी का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा आप घर पर बनाकर भी पी सकते हैं। इसके लिए पानी में थोड़ा-सा नींबू का रस और चुटकी भर नमक मिलाकर पिएं।

नदिनी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री सऊदी अरब पर बड़ा हमला, रियाद एयरपोर्ट पर दागी गई मिसाइल, भारतीय समेत 13 लोगों की

सऊदी अरब(आरएनएस)। यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद स्थित एयरपोर्ट को निशाना बनाकर क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। शनिवार रात हुए हमले में एक भारतीय नागरिक समेत 13 लोगों की मौत और 300 से अधिक लोगों के घायल होने का दावा किया गया है। इसके बाद सऊदी प्रशासन ने रियाद एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन रोक दिया। रविवार को घरेलू उड़ानों के लिए इस्तेमाल होने वाले टर्मिनल पर भी हमला होने से हवाई सेवाओं की बहाली को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। इस हमले में एक पाकिस्तानी नागरिक की भी मौत होने की खबर है।

घरेलू उड़ानों वाले टर्मिनल पर भी हमला

रियाद एयरपोर्ट पर 10 अक्टूबर को हुआ हमला पिछले एक दशक में सऊदी अरब पर हुए सबसे बड़े हमलों में से एक बताया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के निलंबन के बीच रविवार को टर्मिनल-3 और टर्मिनल-4 को निशाना बनाए जाने की खबर सामने आई। इन टर्मिनलों से घरेलू उड़ानों का संचालन होता है। एयरपोर्ट पर मौजूद एक यात्री के मुताबिक, रविवार रात करीब 8:30 बजे एक गोला रनवे पर गिरा। यह कई खड़े विमानों के पास गिरा, जिससे वहां आग लग गई। उस समय एक यात्री विमान रनवे पर पार्किंग स्थल की ओर बढ़ रहा था। हमलों के बाद

ओमान तट के पास सोहार बंदरगाह पर एक टैंकर पर ड्रोन हमला, नौ भारतीय नाविक बचाए गए, दो लापता

मस्कट,(आरएनएस)। ओमान के तट के पास सोहार बंदरगाह पर निकारागुआ के ध्वज वाले तेल टैंकर एमटी पेट्रो डॉल्फिन पर अचानक ड्रोन से हमला किया गया। हमले के बाद जहाज में आग लग गई। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने घटना की पुष्टि की है। हादसे के समय टैंकर पर 11 भारतीय नाविक सवार थे। इनमें से नौ को सुरक्षित बचा लिया गया है, जबकि दो नाविक लापता हैं। लापता नाविकों की तलाश के लिए खोज एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने रविवार, 11 अक्टूबर को सामाजिक माध्यम एक्स पर इस घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोहार के निकट लंगर डाले खड़े टैंकर एमटी पेट्रो डॉल्फिन पर ड्रोन से हमला हुआ था। जहाज पर सवार नौ भारतीय नाविकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि दो भारतीय नागरिकों का अब तक पता नहीं चल पाया है। मंत्री ने कहा कि स्थानीय तटरक्षक बल लापता नाविकों की तलाश में तेजी से अभियान चला रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि लापता नाविकों को सुरक्षित खोजने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।खाड़ी क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों से समुद्री सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों पर काम करने वाले भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

मनोरंजन

उन्हें किसी और टेक की जरूरत नहीं पड़ती, श्रेया सरन ने की दृश्यम 3 को-स्टार अजय देवगन की तारीफ



दृश्यम फ्रेंचाइजी में अजय देवगन ने विजय सालगांवकर के किरदार से दर्शकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। अब फ्रेंचाइजी की अगली फिल्म दृश्यम: द कन्क्लूजन को लेकर दर्शकों की नजरें अजय देवगन और पूरी स्टारकास्ट पर हैं। इसी बीच फिल्म में नंदिनी का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री श्रेया सरन ने अजय देवगन के साथ काम करने का अपना अनुभव साझा किया। उन्होंने अभिनेता के डायलॉग बोलने के अंदाज और काम के प्रति उनके जुनून की जमकर तारीफ की।श्रेया सरन ने कहा, अजय अपनी आंखों के जरिए बहुत कुछ कह देते हैं। उनकी आंखों में एक अलग तरह की

ताकत है, जो उनके किरदार की भावनाओं को बिना ज्यादा शब्दों के भी सामने ले आती है। उनका डायलॉग डिलीवरी का तरीका भी काफी अलग है। वह शानदार एक्टर हैं।

श्रेया ने अजय देवगन की मेहनत और काम के प्रति अनुशासन की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, अजय अपने काम को लेकर काफी गंभीर रहते हैं और किसी सीन को बेहतर बनाने के लिए पूरी मेहनत करते हैं। उन्हें किसी और टेक की जरूरत नहीं पड़ती। उनके अंदर काम को लेकर काफी जुनून है।

अभिनेत्री ने फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, अभिषेक पाठक ने दृश्यम फ्रेंचाइजी की कहानी को लेकर काफी मेहनत की और स्क्रिप्ट पर लंबा समय दिया। वह कहानी के हर मोड़ और ट्विस्ट को ध्यान से समझते हैं, फिर उसे पर्दे पर सही तरीके से पेश करने की कोशिश करते हैं।

श्रेया ने अपने किरदार नंदिनी को लेकर भी बात की और कहा, मैं नंदिनी को अच्छी तरह समझती हूं और जानती हूं कि यह किरदार किस तरह सोचता और महसूस करता है। हालांकि, कहानी में आने वाले कुछ बदलाव ऐसे थे, जिनकी मैंने भी उम्मीद नहीं की थी।

दृश्यम फ्रेंचाइजी में श्रेया सरन ने अजय देवगन के किरदार विजय सालगांवकर की पत्नी नंदिनी की भूमिका निभाई है। विजय अपने परिवार को बचाने के लिए हर बार बेहद सोच-समझकर कदम उठाता है और मुश्किल हालात में भी ऐसा रास्ता खोजता है जिससे पुलिस और कानून की पकड़ से परिवार को बचाया जा सके।

कसरत करने के बाद इन 5 तरीकों से करें रिकवरी, जल्द मिलेगी राहत

कसरत करने के बाद शरीर को ठीक से आराम देना उतना ही जरूरी है, जितना कि व्यायाम करना। कसरत के बाद शरीर की मांसपेशियों और जोड़ों पर जोर पड़ता है, जिसके कारण उनमें दर्द और अकड़न जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इनसे राहत पाने के लिए शरीर को ठीक से आराम देना जरूरी है। आइए आज हम आपको कसरत के बाद शरीर की रिकवरी के लिए 5 आसान और प्रभावी तरीके बताते हैं।

पानी की कमी न होने दें

कसरत के बाद शरीर को पानी की कमी से बचाना बहुत जरूरी है। जब आप कसरत करते हैं तो शरीर से बहुत पसीना निकलता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है।पानी पीने से शरीर को फिर से तरल पदार्थ मिलता है और यह तेजी से ठीक होता है।इसके अलावा आप नारियल पानी या फलों का रस भी पी सकते हैं। इससे शरीर को जरूरी खनिज लवण भी मिलते हैं, जो रिकवरी में मदद करते हैं।

प्रोटीन वाला खाना खाएं

कसरत के बाद प्रोटीन वाला खाना खाना बहुत फायदेमंद हो सकता है। प्रोटीन मांसपेशियों की मरम्मत करने और उन्हें मजबूत बनाने में मदद करती है।इसके लिए आप दाल, दूध, दही या



चिकन जैसी चीजें खा सकते हैं।इसके अलावा आप प्रोटीन शेक या बार भी ले सकते हैं, जो जल्दी और आसानी से प्रोटीन प्रदान करते हैं। इससे आपकी मांसपेशियां तेजी से ठीक होती हैं और आप जल्दी से तैयार हो जाते हैं।

स्ट्रेचिंग करें

कसरत के बाद स्ट्रेचिंग करना बहुत जरूरी है क्योंकि यह मांसपेशियों को आराम देती है और खिंचाव कम करती है। इससे रक्त संचार भी बढ़ता है, जिससे शरीर में जमा लैक्टिक एसिड बाहर निकलता है और दर्द कम होता है।इसके अलावा स्ट्रेचिंग

धर्मा प्रोडक्शन के लिए विषकन्या बनेंगी प्रतिभा रांटा, राजकुमार राव होंगे जोड़ीदार

करण जोहर की धर्मा प्रोडक्शन हॉरर और फैंटेसी जॉनर में लगातार अपनी पैठ जमा रही है। कार्तिक आर्यन के साथ नागजिला के बीच, प्रोडक्शन की अगली फंतासी हॉरर को लेकर ताजा अपडेट आया है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में लापता लेडीज से लोकप्रिय हुई



अभिनेत्री प्रतिभा रांटा मुख्य नजर आएंगी। उनके साथ राजकुमार राव मुख्य किरदार में होंगे। फिल्म के शीर्षक का खुलासा भी हो गया है और यह एक विशाल जादुई काल्पनिक दुनिया पर आधारित होगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित इस फिल्म का शीर्षक विषकन्या होगा। इस हाई-कॉन्सेप्ट फिल्म में मुख्य भूमिका के लिए प्रतिभा

को चुना गया है।कहानी को गुप्त रखा जा रहा है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि निर्माताओं का मकसद हाल के हिंदी सिनेमा में देखे गए किसी भी पौराणिक ब्रह्मांड से अलग एक रहस्यमय ब्रह्मांड को फिल्म के जरिए प्रस्तुत करना है।यह फिल्म हॉरर की पारंपरिक शैलियों से हटकर एक अलौकिक फंतासी होगी।रिपोर्ट के अनुसार, विषकन्या नाम वाली फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर तक शुरू होने की उम्मीद है।इसका निर्देशन सोनल जोशी करेंगी, जिन्होंने शिल्पा शेठ्डी अभिनीत कामेंडी-ड्रामा फिल्म सुखी (2023) से निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा था।धर्मा प्रोडक्शन के साथ प्रतिभा का यह दूसरा सहयोग होने जा रहा है। इससे पहले उन्होंने एक्यूज्ड (2026) नाम की मनोवैज्ञानिक थ्रिलर में काम किया था, जिसमें कोंकणा सेन शर्मा भी नजर आई थीं।

शरीर का लचीलापन बढ़ाती है, जिससे अगली बार की कसरत आसान हो जाती है। इससे शरीर में ताजगी और आराम महसूस होता है, जिससे आपकी रिकवरी प्रक्रिया भी बेहतर होती है।

पूरी नींद लें

पूरी नींद लेना शरीर की रिकवरी के लिए बहुत जरूरी है। जब आप सोते हैं तो आपका शरीर खुद ही मरम्मत करता रहता है और थकाव दूर करता है।अच्छी नींद लेने से आपकी मांसपेशियां ठीक होती हैं और अगली बार की कसरत करने की ऊर्जा मिलती है।कोशिश करें कि आप रोजाना 7-8 घंटे की नींद लें ताकि आपका शरीर पूरी तरह से आराम कर सके। इससे आप तरोताजा महसूस करेंगे और आपकी कसरत भी बेहतर होगी।

आराम करें

कभी-कभी आराम करना ही सबसे अच्छा उपाय होता है। अगर आपको बहुत ज्यादा थकान महसूस हो रही है या दर्द हो रहा है तो एक दिन पूरी तरह आराम करें। इसका मतलब यह नहीं कि आप कुछ न करें, बल्कि हल्की-फुल्की एक्सरसाइज जैसे कि चलना या योग करना बेहतर रहेगा। इससे आपका शरीर जल्दी ठीक होगा और आप अगली बार की कसरत के लिए तैयार हो जाएंगे।

पीएम स्वनिधि योजना से महादेव पटेल को मिला स्वरोजगार का सहारा, पत्नी के साथ शुरु किया फ्ल का कारोबार
रायपुर,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे कारोबारियों के लिए स्वरोजगार का अवसर बन रही है। कोरबा जिले के पाली नगर पंचायत निवासी महादेव पटेल ने योजना के तहत मिले 15 हजार रुपये के ऋा से अपनी पत्नी सुलेखा पटेल के साथ फ्ल का कारोबार शुरू किया। इससे उनकी आमदनी बढ़ाने और परिवार की जरूरतें पूरी करने में मदद मिली है।

महादेव पटेल पहले सीमित स्तर पर सब्जियां बेचकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। कम आमदनी के कारण घरेलू खर्च और बच्चों की पढ़ाई की जरूरतें पूरी करने में उन्हें मेहनत करनी पड़ती थी। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत पहली बार 15 हजार रुपये का ऋा मिलने पर उन्होंने पत्नी के साथ ठेले पर फ्ल की दुकान शुरू की। कारोबार से होने वाली आय ने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में मदद की।

महादेव पटेल के अनुसार, योजना से मिली आर्थिक सहायता के बाद उन्हें अपना काम बढ़ाने का अवसर मिला। आमदनी में सुधार होने से अब परिवार की जरूरतें पूरी करने और बच्चों की शिक्षा पर ध्यान देने में सहूलियत हो रही है। उन्होंने योजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया।

पाली नगर पंचायत क्षेत्र में अन्न छोटीबारो भी स्वरोजगार के जरिए अपनी आजीविका मजबूत कर रहे हैं। प्रमोद पटेल बीज विक्रय, गौरी प्रजापति सिलाई और रोशन पटेल पान दुकान के माध्यम से आय अर्जित कर रहे हैं। योजना के जरिए छोटे व्यापारियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर स्वरोजगार को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

महिला सशक्तिकरण से साकार होगा विकसित छत्तीसगढ़ का सपना : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की मातृशक्ति प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत है और महिला सशक्तिकरण विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का मजबूत आधार है। राज्य सरकार का लक्ष्य महिलाओं को केवल शासकीय योजनाओं का लाभार्थी बनाना नहीं, बल्कि उन्हें परिवार, समाज और प्रदेश के विकास में सक्रिय भागीदार एवं नेतृत्वकर्ता बनाना है। महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, रोजगार, उद्यमिता और आर्थिक आत्मनिर्भरता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय राजधानी रायपुर में हिंदी खबर द्वारा आयोजित शाइनिंग छत्तीसगढ़ शक्ति स्वरूपा' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया और उनसे संवाद भी किया।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को आर्थिक संबल

मुख्यमंत्री ने कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन और आत्मविश्वास को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। योजना के तहत 68 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। अब तक 32 किलों में 20,700 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सोधे महिलाओं के खातों में अंतरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि इस सहायता से महिलाएं बच्चों की पढ़ाई, दवाइयों, पोषण, घरेलू जरूरतों और बचत जैसे कार्यों में योगदान दे रही हैं। सरकार का प्रयास है कि योजना की पात्र कोई भी महिला लाभ से वंचित न रहे। तकनीकी, दस्तावेजी और बैंक खाते से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लखपति दीदी पहल के तहत छत्तीसगढ़ ने निर्धारित लक्ष्य से आगे बढ़कर उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश में 7.82 लाख के लक्ष्य के मुकाबले 14 लाख ग्रामीण महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं।

हम सभी को अपनी कोशिशों पर गर्व है, गेंदबाजों ने प्लान को बहुत अच्छे से लागू किया : नीतीश रेड्डी

हम सभी को अपनी कोशिशों पर गर्व है, गेंदबाजों ने प्लान को बहुत अच्छे से लागू किया : नीतीश रेड्डी

इंदौर (आरएनएस)। भारत ने वेस्टइंडीज को रविवार को होल्कर स्टेडियम में खेले गए तीसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 14 रनों से हराया। जीत के बाद ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने भारतीय गेंदबाजों के प्रदर्शन की जमकर तारीफ की। भारतीय गेंदबाज 224 रनों के लक्ष्य का बचाव करने में सफल रहे और वेस्टइंडीज को 7 विकेट खोकर 209 रनों के स्कोर पर रोका। वेस्टइंडीज के इस दौर पर यह पहला मौका रहा, जब रनों का पीछा करते हुए दोनों में से किसी टीम को हार का सामना करना पड़ा। नीतीश ने बल्ले से 21 रनों का योगदान दिया, जबकि गेंदबाजी में 19 रन देकर एक विकेट चटकया। नीतीश ने कहा कि टीम इस बात से खुश है कि गेंदबाजों ने आखिरी ओवरों में अपने प्लान पर अच्छी तरह अमल किया। 224 रनों का बचाव करते हुए भारतीय गेंदबाजों ने रनों की गति को कंट्रोल में रखा और डेथ ओवरों में अच्छी यॉर्कर फेंकी, जिससे वेस्टइंडीज लक्ष्य को हासिल करने में नाकाम रही।

मैच के बाद ब्रॉडकास्टर्स से बात करते हुए नीतीश ने कहा, जीत तो जीत होती है। हम सभी को अपनी कोशिशों पर गर्व है। हम जानते हैं कि यह आसान नहीं है, लेकिन गेंदबाजों ने प्लान को बहुत अच्छे से लागू

भारत बनाम वेस्टइंडीज : तिलक वर्मा ने पूरा किया खास अर्धशतक, कोहली-रोहित के क्लब में हुए शामिल

इंदौर (आरएनएस)।। टीम इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को तीसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 14 रनों से हराया। भारत से मिले 224 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कैरेबियाई टीम निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 209 रन ही बना सकी। तिलक वर्मा ने इस मुकाबले में खास अर्धशतक पूरा किया। दरअसल, तिलक ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर फील्डर 50 कैच पूरे कर लिए हैं। वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले भारत के महज पांचवें खिलाड़ी बने हैं। तिलक से पहले यह उपलब्धि रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या, सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली ने हासिल की है। इस लिस्ट में 65 कैच लेकर रोहित सबसे ऊपर मौजूद हैं। वहीं, हार्दिक पांड्या ने 64, सूर्यकुमार ने 58 और कोहली ने 54 कैच पकड़े हैं।

तीसरे टी20 में तिलक का प्रदर्शन बल्ले से भी दमदार रहा। उन्होंने महज 16 गेंदों का सामना करते हुए 28 रनों की तेज तर्रार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 175 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 4 चौके लगाए। दूसरे टी20 में भी तिलक ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 18 गेंदों में 44 रनों की नाबाद पारी खेली थी। तीसरे टी20 में तिलक के अलावा, भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंदों में 69 रनों की दमदार पारी खेली। अभिषेक ने अपनी इस पारी में 6 चौके और 5 छक्के लगाए। वहीं, ईशान किशन ने 18 गेंदों में 37 रन बनाए, जिसके दम पर भारत की टीम 223 रनों के स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। हालांकि, वेस्टइंडीज की टीम शिमरोन हेटमायर (43 रन) और कामिल पूरन (42 रन) की दमदार पारियों के बावजूद लक्ष्य से 14 रन दूर रह गई।

स्वस्थ और विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण हमारी सरकार का संकल्प : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री साय ने देवपुरी में सुपर स्पेशलिटी प्रथमेश हॉस्पिटल का किया शुभारंभ

रायपुर,(आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित और समृद्ध छत्तीसगढ़ की सबसे मजबूत नींव हैं। प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी संकल्प के साथ स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने, आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार करने और दूरस्थ क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ आज मध्य भारत के प्रमुख मेडिकल हब के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है।

मुख्यमंत्री साय आज राजधानी रायपुर के देवपुरी में लगभग एक एकड़ क्षेत्र में निर्मित 125 बिस्तरों वाले अत्याधुनिक सुपर स्पेशलिटी प्रथमेश हॉस्पिटल के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने पीता काटकर अस्पताल का शुभारंभ किया और अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकों और पूरे टीम को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह अस्पताल प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रायपुर में मारपीट और धमकी के मामले बढ़े, सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक की मौत, पार्किंग से बाइक चोरी

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में मारपीट, जान से मारने की धमकी, सड़क हादसे और वाहन चोरी के मामले सामने आए हैं। खमतराई क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते घर में घुसकर एक परिवार के तीन सदस्यों से मारपीट की गई। वहीं मुजगहन क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। तेलीबांधा क्षेत्र में पार्किंग से बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

खमतराई थाना क्षेत्र के बुधवारी बाजार, रावाभाठा में 1 अक्टूबर की शाम पुरानी रंजिश को लेकर विवाद हुआ। शिकायत के अनुसार, धीरज और उसके अन्य साथियों ने उर्मिला यादव के घर का दरवाजा तोड़कर जबर्न प्रवेश किया। आरोप है कि आरोपियों ने उर्मिला, उनके पति और बेटे के साथ गाली-गलौज की तथा जान से मारने की धमकी देते हुए ईट-पत्थर और डंडे से मारपीट कर चोट पहुंचाई। पुलिस ने 11 अक्टूबर को मामला दर्ज किया।खमतराई के शिवानंद नगर में 10 अक्टूबर को मोटरसाइकिल तेज और लापरवाही से चलाने की बात पर विवाद हो गया। शिकायतकर्ता अर्चित यादव ने वाहन चलाने के तरीके पर आपत्ति जताई तो आरोप है कि दो अज्ञात व्यक्तियों ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान एक एम्पल कंपनी का ब्यूटूथ उपकरण भी तोड़ दिया गया।



रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है। मौसम विभाग ने प्रदेश के छह जिलों में गरज-चमक के साथ हल्की आंधी और बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान कुछ इलाकों में आकाशीय बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है। मौसम में बदलाव की संभावना के बीच रविवार को प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान में वृद्धि भी दर्ज की गई। राजधानी रायपुर में अधिकतम तापमान 35.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

इन छह जिलों में मौसम बदलने की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार, बालोद, राजनांदगांव, दुर्ग, बमेतरा, कबीरधाम और मुंगेली जिले के कुछ हिस्सों में मौसम

खेल समाचार

हम सभी को अपनी कोशिशों पर गर्व है, गेंदबाजों ने प्लान को बहुत अच्छे से लागू किया : नीतीश रेड्डी



किया। उस समय मुझे लगता है कि उन्हें हर ओवर में 14 रनों की जरूरत थी, और हमने सोचा कि अगर हम हर गेंद पर सिर्फ एक रन ही दें, तो यह

ला लीगा: 2-2 से ड्रॉ रहा वैलेसिया और रेसिंग सैटेंडर के बीच खेला गया मुकाबला

सैंटेंडर (आरएनएस)। वैंलेंसिया सीएफ ने ला लीगा के मैचडे 8 में रियल रेसिंग सैंटेंडर के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। इस मुकाबले में वैंलेंसिया के लिए दानी राबा और डेविड ओटोरोबी ने गोल किए।वैंलेंसिया ने मैच की शानदार शुरुआत की और मुकाबला शुरू होने के एक मिनट के भीतर ही बढ़त हासिल कर ली। जेवियर एगुइरे की टीम के लिए दानी राबा ने हाल ही में प्रमोटेड रेसिंग सैंटेंडर के खिलाफ शुरुआती गोल दागा। हालांकि, मेसबान टीम ने 32वें मिनट में वापसी की। इग्नियो विसेंट ने शानदार मूव बनाते हुए यासिर जबिरी को गोल करने का मौका दिया, जिसे उन्होंने भुनाकर स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि, वैंलेंसिया के युवा सब्स्टीट्यूट डेविड ओटोरोबी ने 65वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को 2-2 से ड्रॉ दिलाया। एक अन्य मैच में इस्को ने

डेथ ओवरर्स में रिवर्स स्विंग के साथ गेंदबाजी करने में हमेशा मजा आता है : अर्शदीप सिंह



में चल रहे शाई होप को बोल्ड करके भारत को शुरुआती सफलता दिलाई।



प्रदेश में ही उपलब्ध हों बेहतर और आधुनिक उपचार सुविधाएं, मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गंभीर बीमारी की स्थिति में मरीज और उसके परिवार को उपचार के लिए दूसरे राज्यों का रुख करना पड़े तो आर्थिक बोझ के साथ अनेक व्यावहारिक कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ता है। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रदेशवासियों को अधिक से अधिक विशेषज्ञ और सुपर स्पेशलिटी चिकित्सा सेवाएं छत्तीसगढ़ में ही

छत्तीसगढ़ के छह जिलों में आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट 40 किमी की रफ्तार से चल सकती है हवा

बदल सकता है। इन क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही आकाशीय बिजली गिरने और तेज हवा चलने की आशंका को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। मौसम में होने वाले इस बदलाव का असर स्थानीय स्तर पर देखने को मिल सकता है। तेज हवा और गरज-चमक के दौरान लोगों को खुले स्थानों पर रहने से बचना चाहिए। विशेष रूप से खेतों में काम करने वाले किसानों, खुले में काम करने वाले श्रमिकों और दोपहिया वाहन चालकों को सावधानी बरतने की जरूरत है।

रायपुर में 35.7 डिग्री पहुंचा अधिकतम तापमान

मौसम में बदलाव की संभावना के बीच रविवार को तापमान में भी वृद्धि दर्ज की गई। राजधानी रायपुर के लालपुर मौसम केंद्र में अधिकतम तापमान 35.7 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश के अन्य प्रमुख शहरों में भी अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। बिलासपुर में अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री, जगदलपुर में 33.6 डिग्री, राजनांदगांव में 35.5 डिग्री, अंबिकापुर में 30.9 डिग्री और दुर्ग में 32.4 डिग्री सेल्सियस रहा। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में तापमान की स्थिति अलग-अलग बनी हुई है। वहीं, छह जिलों में आंधी-बारिश की संभावना के चलते स्थानीय मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है।

150वीं वर्षगांठ टेस्ट में खास जर्सी पहनकर उतरेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम, एमसीजी में इंग्लैंड से होगी भिड़ंत

मेलबर्न (एमसीजी),(आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया की टीम अगले साल मार्च में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जाने वाले 150वीं वर्गांठ टेस्ट के दौरान खास सफेद जर्सी पहनेगी। इस विशेष टेस्ट किट में ऑस्ट्रेलिया के पारंपरिक हरे और सुनहरे रंग को शामिल किया जाएगा, ताकि इस ऐतिहासिक मौके को यादगार बनाया जा सके। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को इस विशेष किट का अनावरण किया, जिसे 11 मार्च से शुरू होने वाले 150वीं वर्षगांठ टेस्ट से ठीक 150 दिन पहले लॉन्च किया गया। इस ऐतिहासिक किट में पारंपरिक गोल्डन वॉटल ट्रिम की जगह सुनहरे रंग का इस्तेमाल किया गया है, जबकि एक हरा प्लैकेट भी जोड़ा गया है। जर्सी की स्लीव पर सुनहरे रंग में 150वीं वर्षगांठ टेस्ट का विशेष लोगो और किट निर्माता कंपनी एएसआईसीएस का लोगो लगाया गया है। इसके अलावा, कॉलर, शर्ट और पैंट की साइड सीम पर सुनहरी पाइपिंग दी गई है, जबकि बटनों पर भी सुनहरे रंग की फिनिश दिखाई देगी। यह डिजाइन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट की विरासत और इस ऐतिहासिक मुकाबले के महत्व को दर्शाने के लिए तैयार किया गया है। इसके अलावा, यह किट वैसी ही है जैसी ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीम 2025-26 के समर सीजन में लॉन्च होने के बाद से टेस्ट मैचों में पहनती आ रही है। इसके कंधों पर मशहूर एंबोेरजिनल आर्टिस्ट आंदी फियोना क्लार्क की बनाई आदिवासी कलाकृति बनी है। क्रिकेट डॉट कॉम ए्यू के अनुसार, लैंड एंड सी नाम की इस कलाकृति में वॉकअबाउट विकेटेस मोटिफ को शामिल किया गया है। यह डिजाइन ऑस्ट्रेलिया की पहली विदेशी दौरे पर जाने वाली क्रिकेट टीम एंबोरिजिनल इलेवन को श्रद्धांजलि देने की परंपरा को आगे बढ़ाता है। इसी टीम ने 1868 में इंग्लैंड का ऐतिहासिक दौरा किया था और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय लिखा था।

मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर एंजो मारेस्का के नाम बड़ी उपलब्धि, प्रीमियर लीग में दर्ज की लगातार छठी जीत

लिवरपूल,(आरएनएस)। मैनचेस्टर सिटी के मैनेजर एंजो मारेस्का ने लिवरपूल के खिलाफ 3-0 से जीत के साथ प्रीमियर लीग के इतिहास में मैनेजर के तौर पर सबसे अच्छी शुरुआत के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। पेप गार्डियोला की जगह लेने के बाद से इटैलियन मैनेजर ने लगातार छह जीत हासिल कर ली है। वह उन तीन मैनेजरों में से एक हैं जिन्होंने किसी क्लब के साथ अपने पहले छह प्रीमियर लीग मैच जीते हैं। गार्डियोला ने 2016/17 में सिटी के साथ ऐसा किया था। मैनचेस्टर सिटी के अनुसार, कालां एंसेलोटी ने भी चेल्सी में नई नियुक्ति के बाद 2009/10 सीजन के पहले छह मैचों में जीत हासिल की थी, और ओले गुनार सोलस्कर ने दिसंबर 2018 में मैनचेस्टर यूनाइटेड का कार्यभार संभालने के बाद ऐसा किया था। अपने पहले छह प्रीमियर लीग मैचों के दौरान, मारेस्का की मैनचेस्टर सिटी टीम ने 16 गोल किए हैं और केवल पांच गोल खाए हैं। मैनचेस्टर सिटी के 18 प्वाइंट्स ने क्लब को शुरुआती टेबल में तीन प्वाइंट्स की बढ़त दिला दी है। एनफील्ड स्टेडियम में इस जीत से पहले मैनचेस्टर सिटी ने बॉर्मिंगहम, क्रिस्टल पैलेस, कोवेंट्री सिटी, मैनचेस्टर यूनाइटेड और सुंदरलैंड की चुनौतियों का सामना किया और इन सभी टीमों के खिलाफ जीत दर्ज की। उन्होंने चैंपियंस लीग और काराबाओ कप में क्रमशः पोर्टो और नॉर्विच सिटी पर भी जीत हासिल की है।

एंजो मारेस्का की शुरुआत ऐतिहासिक रही है। उनकी टीम ने लीग के अपने पहले छह मैच जीते थे, जो क्लब के किसी भी मैनेजर के कार्याकाल की शुरुआत में सबसे बेहतरीन जीत का रिकॉर्ड था। अब मारेस्का के पास एक और उपलब्धि हासिल करने का मौका है। यदि मैनचेस्टर सिटी अगले शनिवार को इप्सविच टाउन को हरा देती है, तो वह नया रिकॉर्ड बना देंगे, क्योंकि क्लब के इतिहास में कोई भी मैनेजर अपने पहले सात प्रीमियर लीग मैच नहीं जीत पाया है।

पराली जलाने से रोकने किसानों को जागरूक करें, उपलब्ध मशीनों का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करें : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

पराली प्रबंधन पर कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय बैठक आयोजित



नर्मदापुरम/ (निप्र)। सोमवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में पराली प्रबंधन को लेकर जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने, किसानों को जागरूक करने तथा पराली के उचित प्रबंधन के लिए उपलब्ध वैकल्पिक साधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि पराली प्रबंधन के लिए किसानों को जागरूक करना आवश्यक है। कृषि विभाग एवं संबंधित अधिकारी किसानों से संवाद स्थापित कर उन्हें पराली जलाने से होने वाले दुष्प्रभावों तथा इसके प्रबंधन के वैकल्पिक तरीकों की जानकारी दें। उन्होंने निर्देश दिए कि पराली प्रबंधन के संबंध में

आवश्यक प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए जाएं तथा उनका प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पराली जलाने से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों को चिह्नित कर वहां कृषि विभाग की टीमों एसडीएम के नेतृत्व में भेजी जाएं। ये टीमों किसानों से चर्चा कर पराली प्रबंधन से जुड़े आवश्यक बिंदुओं की जानकारी दें तथा उन्हें पराली जलाने के बजाय वैकल्पिक उपाय अपनाने के लिए प्रेरित करें।

उन्होंने कहा कि पराली प्रबंधन के लिए उपलब्ध मशीनों का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन हो सके। इसके लिए किसानों को उपलब्ध मशीनों एवं वैकल्पिक साधनों की जानकारी देकर उनका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। कलेक्टर श्री मिश्रा ने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आरटीओ) को निर्देश दिए कि हार्बेस्टर में एस्पएमएस (सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम) अटैचमेंट नहीं होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि फसल कटाई के दौरान पराली प्रबंधन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का पालन सुनिश्चित कराया जाए, जिससे पराली जलाने की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में पराली प्रबंधन को लेकर बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसान संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से किसानों को पराली जलाने से होने वाले नुकसान और फसल अवशेषों के प्रबंधन के वैकल्पिक तरीकों के संबंध में जागरूक किया जाए। उन्होंने कृषि विभाग सहित सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने तथा मैदानी स्तर पर सतत निगरानी रखते हुए पराली प्रबंधन के लिए प्रभावी प्रयास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, उपसंचालक कृषि रविकांत सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण एवं समस्त एसडीएम उपस्थित रहे।

दूधी सिंचाई परियोजना में 19 नए ग्रामों का समावेश, 5,859.66 हेक्टेयर क्षेत्र को मिलेगा सिंचाई का लाभ



सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं जल संसाधन विभाग का जताया आभार

नर्मदापुरम (निप्र)। दूधी सिंचाई परियोजना के अंतर्गत पिपरिया एवं

गाडरवारा तहसील के छूटे हुए ग्रामों को शामिल किए जाने पर होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं जल संसाधन विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया है। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व एवं जल संसाधन विभाग के सहयोग से दूधी सिंचाई परियोजना में पिपरिया एवं गाडरवारा क्षेत्र के 19 ग्रामों को सम्मिलित किया गया है। इन ग्रामों के शामिल होने से कुल 5,859.66 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा।उन्होंने कहा कि यह निर्णय क्षेत्र के किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। सिंचाई सुविधा के विस्तार से पिपरिया एवं गाडरवारा क्षेत्र के हजारों किसान परिवारों को खेती के लिए स्थायी जल संसाधन उपलब्ध होगा। इससे कृषि उत्पादन में वृद्धि, फसल विविधीकरण तथा किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलने की नई संभावनाएं बनेंगी।सांसद चौधरी ने कहा कि किसानों के हित और क्षेत्र के कृषि विकास के लिए सिंचाई सुविधाओं का विस्तार उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

नर्मदा घाटों पर आबकारी विभाग की सघन कार्रवाई, 15 लीटर हाथभट्टी शराब जब्त



कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक आर.पी. निमोदा, मुख्य आरक्षक दुर्गा प्रसाद मांझी, आरक्षक सुरेश सिकेरिया और विकास लोखंडे का योगदान रहा।

सक्षम जीवन कौशल पर संकुल प्राचार्यों और जनशिक्षकों का उन्मुखीकरण प्रशिक्षण आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त विवेक नागवंशी के निर्देशन में सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के तहत संकुल प्राचार्यों और जनशिक्षकों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला संदीपनी विद्यालय सुखतवा, केसला में आयोजित की गई। विकासखंड शिक्षा अधिकारी हर्षित कौरव का मार्गदर्शन रहा।प्रशिक्षण में सक्षम कार्यक्रम की आगामी गतिविधियों और प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। सक्षम टीम ने जीवन कौशल कार्यक्रम, सत्र संरचना और संचालन प्रक्रिया की जानकारी दी। संकुल प्राचार्यों की भूमिका पर मार्गदर्शन दिया गया।कार्यशाला में संकुल स्तर पर मासिक समीक्षा बैठक, विद्यालयवार प्रगति समीक्षा और SQMF फॉर्म के माध्यम से सत्रों के अवलोकन एवं गुणवत्ता मूल्यांकन की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। विद्यालयों में समान अवसर, समान सहभागिता और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

यादगार संस्था का सम्मान समारोह 25 अक्टूबर रविवार को, श्रीकृष्ण सरल पुण्य स्मरण को समर्पित

नर्मदापुरम (निप्र)। परोपकारी, परोपकार किए बिना नहीं रुकता है, लोग उसे संत कहते हैं। खिलाड़ी अपनी कला को नहीं छोड़ता है। कलाकार लाखों में कला का प्रदर्शन करता है। देश प्रदेश एवं मातृभूमि का नाम करता है। डूबने वाले काल के मुंह में जा रहे होते हैं, जान पर खेलकर तैराक आगे बढ़ता है और उन्हें मौत के मुंह से छीन लाने वाले लोग विरलय होते हैं। आप, हम, राजा, महाराजा, तक इनके आगे सर झुका देते हैं। ऐसे महारुपुष, चुपचाप अपनी साधना में रत हैं और प्रसन्न हैं। उन्हें सम्मान की कोई इच्छा नहीं होती। नर्मदापुर वासी संगीतकार, खिलाड़ी, साहित्यकार, परोपकारी, देशभक्ति में मौन लगे साधकों को साहित्यिक, सामाजिक, एवं सांस्कृतिक यादगार संस्था के 42 वैं वर्ष में 25 अक्टूबर 2026 रविवार को दोपहर में गिराशा दीक्षित न्यायाधीश सेवा, निवृत्त, के मुख्य अतिथि एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता पं, गिरजाशंकर शर्मा पूर्व विधायक नर्मदापुरम् करेंगे एवं विशेष अतिथि फूलचंद यादव समाजसेवी, इटारसी रहेंगे। इस वर्ष संस्था का सम्मान इन चार महान मूर्तियों का कर रहे हैं-साहित्य के क्षेत्र में श्रीराम मीणा , समाज सेवा क्षेत्र में निर्मला माथनकर, गायन के क्षेत्र में किशोर सीरिया इटारसी , एवं बिना चीरा फाड़ी के अनेक डिलीवरी करने वाली सूरज बाई धानक, माखन नगर को सम्मानित किया जाएगा।कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार खेमचंद यादवेश ने बताया कि कार्यक्रम-केसरिया गार्डन में आयोजित किया जाएगा। संस्था के पदाधिकारी संरक्षक पं, भवानी शंकर शर्मा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, रामभरोस महाते, यादव समाज अध्यक्ष, एवं डॉ, संतोष व्यास, मोहन यादव अध्यक्ष, संयोजक तुकाराम खेमचंद यादवेश, संस्था के सभी पद्य अधिकारी गण। महान कवि श्रीकृष्ण सरल के पुण्य स्मरण दिवस को समर्पित है।

14 अक्टूबर को युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला का आयोजन

नर्मदापुरम/केसल (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय, नर्मदापुरम द्वारा शिक्षित बेरोजगार युवक/युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए युवा संगम रोजगार एवं स्वरोजगार मेला का आयोजन 14 अक्टूबर 2026 को भागवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय सुखतवा (केसला) जिला नर्मदापुरम में किया जाएगा। तत्संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम हिमांशु जैन द्वारा रोजगार मेले के सुचारु आयोजन हेतु अधिकारियों को दायित्व सौंप उनकी ड्यूटी लगाई गई है। जारी आदेशानुसार सीईओ श्री जैन द्वारा रोजगार मेला का संपूर्ण प्रभार का दायित्व अनुविभागीय अधिकारी इटारसी जिला नर्मदापुरम निलेश शर्मा को सौंपा है।

राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने वर्ल्ड तुमेन पार्लियामेंटेरियंस फोरम में रखे विचार

स्व. सरताज सिंह की पुण्यतिथि पर त्याख्यान वरिष्ठ जनों का किया सम्मान



नर्मदापुरम(निप्र)। मंगोलिया की राजधानी हुए राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने कहा उलानबटोर स्थित गवर्नमेंट पैलेस में आयोजित कि महिलाओं की आवाज को सशक्त बनाना और 'वर्ल्ड तुमेन पार्लियामेंटेरियंस फोरम' के महत्वपूर्ण निधियों में उनकी सत्र में मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद श्रीमती माया भागीदारी सुनिश्चित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि महिलाएँ केवल प्रतिनिधित्व तक सीमित न रहें, बल्कि अपने विचारों, नेतृत्व क्षमता और निर्णय शक्ति के माध्यम से देश और समाज की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। श्रीमती नारोलिया ने कहा कि महिला सशक्तीकरण से ही सशक्त समाज का निर्माण होगा और समान अवसरों से ही सशक्त भविष्य की नींव अपने विचार साझा किए। सत्र को संबोधित करते

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर बाल विवाह मुक्त भारत की दिलाई शपथ



12 अक्टूबर 2026 को जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यालयों में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता और शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किए गए।कार्यक्रम में बालक-बालिकाओं और समुदाय को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, बाल विवाह रोकने और इसके दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया गया।

बालागंज में पुलिस ने जुए के फड पर मारा छाप, एक व्यक्ति गंभीर रूप से हुआ घायल

नर्मदापुरम (निप्र)। इन दिनों पुलिस जुए के फड पकड़ने में जुटी हुई है सोमवार को बालागंज में चल रहे। जुए के अड्डे पर पुलिस ने छापा मार कार्यवाही कि इस दौरान हड़कंप मच गया। अफरा तफरी के चलते पुलिस ने बल प्रयोग किया तभी एक व्यक्ति भगाने के दौरान अचानक गिर पड़ा। पुलिस ने उसे राम जी बाबा समाधि के पास एक डोंबटर के यहां ले जाकर भर्ती कराया। ऐसा भी सुना गया कि उसे हार्ट अटैक आ गया। समाचार लिखे जाने तक उसकी हालत बहुत ही नाजुक बताई जा रही है। उस व्यक्ति से जुड़े वर्ग के लोग -बड़ी संख्या में एकत्रित होकर नाराजगी भी जताने लगे हैं।

व्ही पी श्रोती, महेश रावत, शंकरलाल पालीवाल, अम्बा प्रसाद कुशवाह, प्रीतम बुंदेला, रमणीक गौर, अमरजीत सिंह, श्रीमती सफलता तिवारी, श्रीमती पद्मा वाजपेई, ये रहे उपस्थित स्व. सरताज सिंह के परिजन सूरेंद्र पाल सिंह, श्रीमती जसमिंदर कौर, नीता, मीनू, रेनू ओबेरॉय, तथा समिति सदस्य हंसराय, सत्येंद्र सिंह, विश्वनाथ सिंघल, दीपक अग्रवाल, दिनेश तिवारी, महेंद्र यादव ,कुलदीप रावत, प्रशांत दीक्षित, अनिल बुंदेला, किशोर करैया, डाक्टर प्रतीक वाजपेई, नलिन पटेल, दिनेश चोरे, संजय शर्मा, कन्हैया लाल यदुवंशी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, स्कूल परिवार शिक्षक शिक्षिकाएं छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए माता सरस्वती के पूजन के बाद सभी ने सरताज सिंह के चित्र पटल पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन दिनेश तिवारी आभार हंसराय द्वारा व्यक्त किया गया।

व्ही पी श्रोती, महेश रावत, शंकरलाल पालीवाल, अम्बा प्रसाद कुशवाह, प्रीतम बुंदेला, रमणीक गौर, अमरजीत सिंह, श्रीमती सफलता तिवारी, श्रीमती पद्मा वाजपेई, ये रहे उपस्थित स्व. सरताज सिंह के परिजन सूरेंद्र पाल सिंह, श्रीमती जसमिंदर कौर, नीता, मीनू, रेनू ओबेरॉय, तथा समिति सदस्य हंसराय, सत्येंद्र सिंह, विश्वनाथ सिंघल, दीपक अग्रवाल, दिनेश तिवारी, महेंद्र यादव ,कुलदीप रावत, प्रशांत दीक्षित, अनिल बुंदेला, किशोर करैया, डाक्टर प्रतीक वाजपेई, नलिन पटेल, दिनेश चोरे, संजय शर्मा, कन्हैया लाल यदुवंशी सहित अनेक गणमान्य नागरिक, स्कूल परिवार शिक्षक शिक्षिकाएं छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए माता सरस्वती के पूजन के बाद सभी ने सरताज सिंह के चित्र पटल पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन दिनेश तिवारी आभार हंसराय द्वारा व्यक्त किया गया।

कार्यालय कलेक्टर (जिला शिक्षा केन्द्र) बैतूल पता- संयुक्त कार्यालय भवन द्वितीय तल कक्ष क्र. S-26 E-mail- zskbetmp@nic.in, zskbetmp@gmail.com- Ph.No. 07141-232449	
पत्र क्र./निशिके/मूल्यांकन/2026/2170	बैतूल, दिनांक 12.10.2026
प्रेस विज्ञापित	
संचालक, राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के पत्र क्रमांक/334/2026/RSK/मूल्यांकन/निविदा/भोपाल दिनांक 22.09.2026 एवं पत्र क्रमांक/349/2026/RSK/मूल्यांकन/निविदा/भोपाल दिनांक 25.09.2026 के अनुसार बैतूल जिले की समस्त प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में सत्र 2026-27 एवं 2027-28 दो वर्षों के लिए अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन एवं वार्षिक मूल्यांकन अंतर्गत प्रश्न पत्र एवं प्रपत्र तथा अन्य कार्यालयीन प्रश्नों का मुद्रण कार्य कराया जाना है, जिस हेतु विस्तृत विवरण https://mptenders.gov.in पोर्टल से प्राप्त किया जा सकते है। निविदा दिनांक 02.11.2026 समय अपराह्न 3:00 बजे तक पोर्टल के माध्यम भरी जा सकती है।	
जी/19908/26	जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र बैतूल
हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें	

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला स्वास्थ्य समिति जिला नर्मदापुरम्	
क्र./निविदा शाखा/2026-27/8073	नर्मदापुरम् दिनांक 07/10/2026
---ई-निविदा आमंत्रण---	
कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला स्वास्थ्य समिति जिला नर्मदापुरम् के अधीन जिला चिकित्सालय एवं जिले कि विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं हेतु साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था एवं मल्टी स्क्रिन्ड वॉकर/मैनपावर सेवायें आउटसोर्सिंग के माध्यम से उपलब्ध कराए जाने हेतु जारी निविदा सूचना क्रमांक 7707 दिनांक 28/09/2026 के संबंध में अपरिहार्य प्रशासनिक/तकनीकी कारणों से निविदा दस्तावेज निधीरित तिथि पर मध्यप्रदेश ई-प्रोक्वोरमेंट (w w w.mptenders.gov.in) पोर्टल पर अपलोड नहीं किए जा सके। फलस्वरूप निविदा प्रक्रिया की तिथियों में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है :--	
निविदा क्रमांक:- 7707	
निविदा फार्म प्राप्त करने की तिथि:-	13/10/2026 10:00 बजे से 02/11/2026 18:00 बजे तक
निविदा खुलने से पूर्व बैठक की तिथि	21/10/2026 14:00 बजे
निविदा जमा करने की तिथि	22/10/2026 10:00 बजे से 02/11/2026 18:00 बजे तक
तकनीकी निविदा खुलने की तिथि	04/11/2026 11:00 बजे
वित्तीय निविदा खुलने की तिथि	Decide after Technical Bid Opening
स्मरण	कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला नर्मदापुरम्
निविदा की अन्य समस्त शर्तों एवं नियम पूर्ववत् यथावत रहेंगे।	
इच्छुक निविदाकार संशोधित तिथियों के अनुसार मध्यप्रदेश ई-प्रोक्वोरमेंट (www.mptenders.gov.in) पोर्टल पर निर्धारित समयावधि में अपनी अंतिमलाइन निविदाएं प्रस्तुत कर सकते है।	
जी/19908/26	(डॉ. नरसिंह गेहलोत)
हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें	मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नर्मदापुरम् दूरभाष 07574-252464